ममता ने कहा-अकेले आए थे... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेबाक अंदाज पर उर्वशी रौतेला... 11

वर्ष - 02, अंक - 40 | गाजियाबाद / गुरूवार 14 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

पोखरण परीक्षण ने भारत के 'अटल संकल्प' को प्रदर्शित किया : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पोखरण परमाणु परीक्षण को याद करते हुए कहा कि 11 मई 1998 के अभियान ने भारत के 'अटल संकल्प' को प्रदर्शित किया और दुनिया को साबित कर दिया कि कोई भी बाहरी दबाव देश को झुकने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। मोदी ने बुधवार को परमाणु परीक्षणों की वर्षगांठ के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह बात कही।

इन परीक्षणों के अंतर्गत 11 और 13 मई 1998 को राजस्थान के पोखरण परीक्षण क्षेत्र में पांच परमाणु हथियारों की भूमिगत

परीक्षण की गई थी। ये परीक्षण पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में किए गए थे।

इन परीक्षणों ने उस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीव्र प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की थीं, जिनमें कई पश्चिमी देशों, विशेष रूप से अमेरिका और जापान द्वारा लगाए गए प्रतिबंध और राजनयिक दबाव शामिल थे। हालांकि, वाजपेयी सरकार ने इस निर्णय का बचाव करते हुए इसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रीय वातावरण में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए आवश्यक बताया था। द्वितीय पोखरण परीक्षण को व्यापक रूप से भारत के रणनीतिक सिद्धांत में एक निर्णायक मोड़ माना जाता है और इसने अंततः वैश्विक मंच पर एक मान्यता प्राप्त परमाणु शक्ति के रूप में भारत के उभरने का मार्ग प्रशस्त किया। इन परीक्षणों ने भारत की दीर्घकालिक परमाणु नीति को भी आकार दिया, जिसमें विश्वसनीय 'न्यूनतम निवारण' और 'पहले उपयोग न करने' का सिद्धांत शामिल है।

विजय थलापति 'सरकार' ने 144 मतों के साथ जीता विश्वास मत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने बुधवार को 234 सदस्यीय विधानसभा में सहयोगी दलों और अखिल भारतीय अन्न द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के बागी विधायकों के समर्थन के साथ आसानी से विश्वास मत जीतकर बहुमत साबित कर दिया। विजय को यह सफलता तब मिली जब 59 सदस्यीय मुख्य विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सदन से बहिर्गमन किया, जबकि अन्नाद्रमुक की सहयोगी चार सदस्यीय पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। विजय द्वारा अपनी

> हमारी सरकार सेक्युलर तरीके से घोड़े की रफ्तार से काम करेगी न कि हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल होगी।
> -सीएम विजय

सरकार में विश्वास व्यक्त करने का प्रस्ताव पेश करने और विभिन्न दलों के नेताओं के बोलने के बाद प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। हालांकि दो विकल्प थे लेकिन अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने ध्वनि मत के बजाय गिनती करने का विकल्प चुना। सदन के 232 सदस्यों में से 171 सदस्य मौजूद रहे।

रिकी राधन नहीं होंगे सीएम विजय के ओएसडी

- नियुक्ति का आदेश रद्द

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी-राजनीतिक) के रूप में रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल की नियुक्ति के आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया। राज्य की प्रधान सचिव रीता हरीश ठक्कर द्वारा बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, मुख्यमंत्री कार्यालय से 12 मई को प्राप्त एक आदेश के आधार पर यह निर्णय लिया गया।

वेनेजुएला अमेरिका का 51वां राज्य : ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक मानचित्र साझा किया है जिसमें वेनेजुएला को अमेरिका के 51वें राज्य के रूप में दिखाया गया है। ट्रम्प ने मजाक में वेनेजुएला को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की ओर संकेत तब दिया जब उन्होंने मार्च में विश्व बेसबॉल क्लासिक सेमीफाइनल में इटली को हराने पर वेनेजुएला की राष्ट्रीय बेसबॉल टीम को बधाई दी थी। उन्होंने इस जीत का श्रेय वेनेजुएला के अमेरिका के साथ सहयोग को दिया।

सोने-चांदी के आयात पर शुल्क बढ़ाकर 15%

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सोने और चांदी के आयात पर शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। देश में सोने-चांदी की खरीद को हतोत्साहित करने और इस पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। सूत्रों ने बताया कि सोने और चांदी पर मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा पांच प्रतिशत कृषि उपकर भी लगाया गया है। इस प्रकार कुल शुल्क 15 प्रतिशत हो गया है। पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ चुकी है। इस कारण कच्चे तेल और गैस के आयात सरकार को ज्यादा विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ रही है।

सोनिया गांधी अस्पताल से घर लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी को गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में डॉक्टरों के एक दल ने नियमित स्वास्थ्य संबंधी नियमित जांच परीक्षण के बाद घर भेज दिया। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को यह जानकारी दी। कुछ खबरों के अनुसार हालांकि सोनिया गांधी को सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी मामूली सर्जरी होनी है। श्रीमती गांधी को जनवरी से अब तक तीसरी बार नियमित चिकित्सा जांच और उसके बाद डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है।

मणिपुर में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को अज्ञात हमलावरों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार अज्ञात हथियारबंद व्यक्तियों ने कोत्जिम और कोत्लेन गांवों के पास दो वाहनों पर गोलीबारी की। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस बीच घटना की जांच के लिए सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंच गए। घटना के विरोध में कुकी संगठनों ने इम्फाल से माओ राष्ट्रीय राजमार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया है। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में दो अलग-अलग समुदायों के बीच विवाद अब भी अनसुलझे हैं।

नीट पेपर लीक मामले में गुरुग्राम से एमबीबीएस का छात्र गिरफ्तार

- राजस्थान एसओजी की टीम ने आधी रात को दी दबिश
- गुरुग्राम के खुर्रमपुर गांव से उठाया गया छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट यूजी पेपर लीक मामले के तार गुरुग्राम से भी जुड़े हैं। मंगलवार आधी रात राजस्थान की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम ने गुरुग्राम के फर्रुखनगर क्षेत्र के गांव खुर्रमपुर में दबिश देकर एमबीबीएस के एक छात्र यश को हिरासत में लिया। एसओजी को शक है कि यश पेपर लीक नेटवर्क का सक्रिय हिस्सा हो सकता है और मुख्य गिरोह तथा परीक्षार्थियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम कर रहा था। जानकारी के अनुसार एसओजी टीम को तकनीकी इनपुट और गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर देर रात गांव में कार्रवाई की गई। उस समय यश अपने घर पर मौजूद था। टीम ने पहले घर पर उससे पूछताछ की और बाद में अपने साथ लेकर चली गई। बताया जा रहा है कि राजस्थान में दर्ज मामलों के आधार पर अब उससे गहन पूछताछ की जाएगी।

सीबीएसई 12वीं का परिणाम घोषित पिछली बार से 3.19 कम पास

- लड़कों के मुकाबले लड़कियां फिर रही आगे
- गुरुग्राम आठवें, पंचकूला 12वें स्थान पर रहा

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। इस वर्ष छात्रों-छात्राओं का कुल पास प्रतिशत 3.19 प्रतिशत गिरा, जो पिछले वर्ष के 88.39 फीसदी से घटकर 85.20 फीसदी रहा। बोर्ड ने पहली बार 10वीं के रिजल्ट के बाद 12वीं का परिणाम जारी किया। देश के 22 क्षेत्रों में गुरुग्राम आठवें और पंचकूला 12वें स्थान पर रहा।

गुरुग्राम क्षेत्र का परिणाम 88.45 प्रतिशत, पंचकूला क्षेत्र का परिणाम 85.73 प्रतिशत दर्ज किया गया। पंचकूला क्षेत्र में 74,723 छात्रों ने परीक्षा दी। इस रीजन में हरियाणा के 11 जिलों के साथ हिमाचल प्रदेश के स्कूल भी शामिल हैं।

इस बार पंजीकृत 17.80 लाख छात्रों में से 17,68,968 छात्र परीक्षा में बैठे, जिनमें से 15,07,109 छात्र सफल रहे।

मुलायम के छोटे बेटे प्रतीक यादव का निधन

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) संरक्षक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव का बुधवार सुबह निधन हो गया। वह 38 वर्ष के थे। बताया जा रहा है कि सुबह करीब छह बजे प्रतीक यादव को लखनऊ के सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अभी तक मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। प्रतीक के शव के पोस्टमार्टम के बाद ही मौत का असली कारण सामने आएगा। प्रतीक यादव मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। वह अखिलेश यादव के सौतेले भाई थे। प्रतीक ने ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स से पढ़ाई की थी। देश के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद प्रतीक राजनीति से दूर थे। उनका रियल एस्टेट और फिटनेस का बिजनेस था। वह लखनऊ में 'द फिटनेस प्लेनेट' नामक जिम के मालिक थे। इसके अलावा वह 'जीव आश्रय' नाम की संस्था भी चलाते थे जो स्ट्रीट डॉग्स का इलाज और देखभाल करती है।

धामी मंत्रिमंडल की बैठक में 19 प्रस्तावों पर लगी मुहर

रूस-यूक्रेन संघर्ष से ईंधन, खाद्य पदार्थ एवं उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति पर बढ़ा दबाव: धामी

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज मंत्रिमंडल की बैठक देहरादून सचिवालय में हुई। मंत्रिमंडल की बैठक बेहद खास रही। धामी मंत्रिमंडल की बैठक में 19 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। इनमें ऊर्जा बचत, पर्यटन, परिवहन और ग्रामीण व्यवस्थाओं से जुड़े कई बड़े फैसलों रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद रूस-यूक्रेन संघर्ष और वर्तमान में जारी पश्चिम एशिया के संकट के चलते ईंधन, खाद्य पदार्थ एवं उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है। इस वैश्विक संकट के चलते भारत भी बढती ईंधन लागत, आयात निर्भरता और आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है।

सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्तमान हालात में नागरिकों से छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों के जरिए राष्ट्रीय प्रयासों में सहयोग की अपील की है। जिसका जनसामान्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इसी कड़ी में उत्तराखंड में भी कई अल्पकालिक और दीर्घकालिक सुधार तत्काल प्रभाव से लागू किए जा रहे हैं।

कैबिनेट के फैसले

- एक अधिकारी, एक वाहन का फॉर्मूला लागू
- राज्य सरकार जल्द नई ईवी पॉलिसी लाएगी
- सरकारी खरीद में 50% इलेक्ट्रिक वाहन अनिवार्य
- इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन और नेटवर्क का विस्तार
- बेड एंड ब्रेकफास्ट और होमस्टे प्रस्ताव को मंजूरी
- घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'विजिट माय स्टेट' अभियान चलाएगी
- इसके तहत धार्मिक, वेलनेस, ग्रामीण, विरासत और इको-टूरिज्म सर्किट का व्यापक प्रचार किया जाएगा।
- डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने और सिंगल विंडो क्लियरेंस व्यवस्था लागू करने का फैसला

मधुमक्खी के काटने के भ्रम में सर्पदंश से किशोर की मौत

बैतूल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के आमला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसोड़ी में गन्ने के खेत में काम कर रहे एक 14 वर्षीय छात्र की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। किशोर ने शुरुआत में इसे मधुमक्खी का डंक समझा और खेत से स्वयं बाइक चलाकर घर पहुंच गया, लेकिन बाद में उसकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम परसोड़ी निवासी रोशन पवार (14) कक्षा नौवीं का छात्र था। मंगलवार दोपहर वह अपने खेत में लगी गन्ने की फसल में पानी देने गया था। लगभग एक बजे वह नाली में फंसा कचरा हाथ से निकाल रहा था, तभी उसकी उंगली में तेज चुभन महसूस हुई।

पंजाब को खाद की कमी नहीं होगी: केंद्र सरकार

केंद्रीय कृषि मंत्री ने पंजाब के सीएम भगवंत मान को दिया भरोसा

एजेंसी

चंडीगढ़। आगामी धान सीजन से पहले पंजाब में खाद की संभावित कमी को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नई दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। बैठक के दौरान केंद्र सरकार ने पंजाब को भरोसा दिलाया कि राज्य में खाद की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रहेगी।

जानकारी के अनुसार खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव और अस्थिर हालात के चलते खाद की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पहले ही केंद्र सरकार से पंजाब के लिए पर्याप्त

खाद कोटा सुनिश्चित करने की मांग रखी। नई दिल्ली में दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बैठक हुई, जिसके बाद संयुक्त प्रेस वार्ता भी आयोजित की गई। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि पंजाब को खाद की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि खाड़ी क्षेत्र की परिस्थितियों के कारण कुछ चुनौतियां उत्पन्न भी होती हैं, तब भी पंजाब के किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब देश के केंद्रीय पूल में सबसे अधिक योगदान देने वाला राज्य है और हर कठिन समय में देश के साथ मजबूती से खड़ा रहा है।

फसल विविधीकरण पर बनी सहमति

मुख्यमंत्री मान ने कहा कि धान की अत्यधिक खेती के कारण पंजाब का भूजल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है और राज्य का बड़ा हिस्सा डार्क जोन में पहुंच चुका है। इस स्थिति को देखते हुए अब पानी बचाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए मक्का, दलहन, तिलहन, सूरजमुखी और बाजरा जैसी वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने पर सहमति बनी है।

वायनाड में लगे राहुल-प्रियंका सहित कांग्रेस नेताओं को चेतावनी वाले पोस्टर

केरल सीएम चयन:

वायनाड (एजेंसी)। केरल में अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच वायनाड में जिला कांग्रेस समिति कार्यालय के पास राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाने वाले भड़काऊ पोस्टर सामने आने के बाद प्रदेश कांग्रेस के भीतर नया तनाव पैदा हो गया। अंग्रेजी में लिखे इन पोस्टरों में कांग्रेस आलाकमान को मुख्यमंत्री पद के लिए के. सी. वेणुगोपाल के नाम पर विचार न करने की खुली चेतावनी दी गई है। ये पोस्टर केरल के मामलों में राष्ट्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप को लेकर स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के बीच बढ़ते असंतोष को दर्शाते हैं। एक पोस्टर में चेतावनी दी गई है कि यदि वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री चुना गया तो वायनाड के लोग कांग्रेस नेतृत्व को कभी माफ नहीं करेंगे।

एक अन्य विवादास्पद संदेश में दावा किया गया कि उनका समर्थन करने से वायनाड 'अगला अमेठी' बन जाएगा, साथ ही वेणुगोपाल का मजाक उड़ाते हुए उन्हें गांधी का केवल 'झोला ढोने वाला' बताया गया। कुछ पोस्टरों में सीधे तौर पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को संबोधित करते हुए उन्हें 'वायनाड को भूल जाने' के लिए कहा गया और चेतावनी दी गई कि यदि स्थानीय भावनाओं की अनदेखी जारी रही तो यह निर्वाचन क्षेत्र हाथ से निकल सकता है। पोस्टरों के सामने आने से जिला कांग्रेस इकाई के भीतर तत्काल प्रतिक्रिया हुई।

उत्तराखंड : ऊर्जा और ईंधन बचत के लिए कैबिनेट का बड़ा फैसला, वर्क फ्रॉम पर जोर

हफ्ते में एक दिन होगा 'नो व्हीकल डे'

- लोगों को सार्वजनिक परिवहन के ज्यादा इस्तेमाल के लिए किया जाएगा प्रोत्साहित

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड कैबिनेट बैठक में ऊर्जा और ईंधन बचत को लेकर तमाम महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसके तहत एक दिन 'नो व्हीकल डे' होगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री एवं मंत्रीगणों के फ्लीट में शामिल होने वाले वाहनों की संख्या को आधा किया जाएगा। सरकारी कर्मचारी सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करेंगे।

इसके तहत सरकारी विभागों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आधारित बैठकों को बढ़ावा दिया जाएगा। निजी क्षेत्रों में भी वर्क फ्रॉम होम को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही लोगों को सार्वजनिक परिवहन के ज्यादा इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री एवं मंत्रीगणों के फ्लीट में वाहनों की संख्या आधी की जाएगी। हफ्ते में एक दिन नो व्हीकल डे घोषित किया जाएगा। वर्क फ्रॉम होम के तहत घर से ही काम करेंगे। जन सामान्य को भी हफ्ते में एक दिन नो व्हीकल-डे के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सरकारी कर्मचारी इस्तेमाल करेंगे सार्वजनिक परिवहन

सरकारी एवं निजी भवनों में एयर कंडीशनर के इस्तेमाल को सीमित करने के प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही परिवहन विभाग को सार्वजनिक बसों की सेवा और क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। सरकारी कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिन अधिकारियों के पास एक से ज्यादा विभाग हैं, उनकी ओर से एक दिन में अधिकतम एक वाहन का इस्तेमाल किया जाएगा।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए जल्द ही प्रभावी ईवी पॉलिसी लाई जाएगी। नए सरकारी वाहनों के खरीद में 50 प्रतिशत अनिवार्य तौर पर ईवी होंगे। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन/नेटवर्क का प्राथमिकता के आधार पर विस्तार किया जाएगा।

एक साल तक सोने की खरीद को करें सीमित

प्रवासी भारतीयों को उत्तराखंड में छुट्टियां बिताने के लिए प्रेरित किया जाएगा। मेरा भारत, मेरा योगदान जैसे जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। मेड इन स्टेट अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों की बिक्री बढ़ाई जाएगी। सरकारी खरीद में मेक इन इंडिया नियमों का कड़ाई से अनुपालन किया जाएगा। नागरिकों को एक साल तक सोने की खरीद को सीमित करने के लिए जागरुक किया जाएगा।

खाद्य तेल के इस्तेमाल पर कमी लाने के प्रयास

आम जनमानस को कम तेल वाले भोजन से होने वाले स्वास्थ्य लाभों पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्कूलों, अस्पतालों और सरकारी कैंटीनों में तेल उपयोग की समीक्षा करते हुए उसके इस्तेमाल में कमी लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। होटल, ढाबा और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को लो ऑयल मेनू अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

विजिट माई स्टेट से बढ़ाया जाएगा घरेलू पर्यटन

विजिट माई स्टेट अभियान के जरिए घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य में विरासत, धार्मिक, वेलनेस, ग्रामीण और इको-टूरिज्म सर्किटों के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। राज्य में डेस्टिनेशन वेडिंग्स को प्रोत्साहन और सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था की जाएगी। उत्तराखंड इस दिशा में पहले ही पहल कर चुका है।

श्रीनगर में लश्कर के दो मददगार गिरफ्तार, हथियार और धमकी भरे पोस्टर बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत श्रीनगर के बाबा डेम इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के दो सक्रिय मददगारों को गिरफ्तार किया है। रूटीन नाका चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार इन संदिग्धों को रोककर जब तलाशी ली गई, तो उनके पास से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्तौल, तीन मैगजीन, 21 कारतूस, दो मोबाइल फोन और लश्कर-ए-तैयबा के 10 धमकी भरे पोस्टर जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान फैसल अहमद भट (निवासी मलपोरा हब्बाकदल) और फैसल अहमद गुरू (निवासी राजोरी कदल) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके खिलाफ यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी क्षेत्र में लश्कर के आतंकियों के लिए काम कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घाटी में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पिछले 25 दिनों में कश्मीर के विभिन्न इलाकों से अब तक 16 आतंकी मददगारों को दबोचा जा चुका है। इससे पहले 18 अप्रैल को हवल में चार, 23 अप्रैल को एक महिला समेत चार, और फिर 26 अप्रैल व 2 मई को भी गिरफ्तारियां की गई थीं। सुरक्षाबलों का कहना है कि आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पंजाब के पर्यटकों ने कुल्लू में तलवारों से किया हमला, स्थानीय लोग घायल

शिमला(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बंजार में पंजाब से आए पर्यटकों द्वारा कथित तौर पर तलवारें लहराने और लोगों पर हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में दो स्थानीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें से एक का हाथ और दूसरे का गाल तलवार से कट गया। वारदात के बाद इलाके में तनाव फैल गया और पुलिस की कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। यह वारदात 10 मई की शाम को तब हुई जब पंजाब के लुधियाना जिले के खन्ना क्षेत्र से आए चार पर्यटक, मंदीप सिंह, प्रदीप सिंह, जश्नप्रीत और प्रीतपाल की गाड़ी से एक व्यक्ति को टक्कर लग गई। इस मामूली बात पर शुरू हुई कहासुनी जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई, जब पर्यटकों ने अपनी गाड़ी से तलवारें निकालकर लोगों पर हमला किया। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि ये पर्यटक चिट्टे (नशीले पदार्थ) के नशे में थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों आरोपियों को हिरासत में लिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद लोगों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाकर थाने का घेराव किया। उनका कहना था कि पुलिस ने पांच लाख रुपये की रिश्वत लेकर आरोपियों को छोड़ने का प्रयास किया, उनका मेडिकल नहीं करवाया, और नशे में धुत होने के बावजूद उन्हें वीआईपी ट्रीटमेंट दिया था। स्थानीय लोग 11 मई की अलसुबह 4 बजे तक थाने में डटे रहे और पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी तीखी बहस जारी रही।

भारत की वैक्सीन मैत्री ने 42 अफ्रीकी देशों तक पहुंचाई कोविड वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड-19 महामारी के सबसे कठिन दौर में भारत ने अपनी वैक्सीन मैत्री पहल के तहत 42 अफ्रीकी देशों को 4 करोड़ से अधिक मेड-इन-इंडिया वैक्सीन खुराकें प्रदान कर वैश्विक एकजुटता का एक उदाहरण पेश किया। इंडियन डिप्लोमेसी के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की गई पोस्ट में इस मानवीय प्रयास को वसुधैव कुटुंबकम (पूरी दुनिया एक परिवार है) की भावना का प्रतीक बताया है। साल 2020 में जब पूरी दुनिया वैक्सीन की भारी कमी से जूझ रही थी, तब भारत ने सबसे पहले मदद के लिए हाथ बढ़ाया। इस पहल ने न केवल भारत की वैश्विक जिम्मेदारी को दर्शाया, बल्कि मानवता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाया। बोत्सवाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, मिस्र, नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, इथियोपिया, जिम्बाब्वे जैसे देश उन 42 अफ्रीकी राष्ट्रों में शामिल थे, जिन्हें ये जीवनरक्षक खुराकें मिलीं। इस दौरान भारत ने केवल अपने नागरिकों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित नहीं किया, बल्कि अन्य देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी। यह कदम भारत और अफ्रीका के बीच के गहरे और भरोसेमंद संबंधों को भी मजबूत करता है, जो केवल कूटनीति तक सीमित नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्व और विनम्रता व्यक्त कर कहा था कि भारत में बनी वैक्सीन दुनिया भर के देशों तक पहुंच रही है, और इसका उद्देश्य सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि मानवता की मदद करना है।

हिमाचल गवर्नर का ईंधन बचत पर बड़ा फैसला : काफिला आधा, हेलीकॉप्टर का त्याग

शिमला(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की अपील पर अमल करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने अपने आधिकारिक काफिले को तत्काल प्रभाव से कम करने और सरकारी कार्यक्रमों के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग न करने की घोषणा की है। बात दें कि बढ़ती वैश्विक ऊर्जा चुनौतियों के मद्देनजर, राज्यपाल ने हिमाचल को ईंधन बचत की दिशा में एक मॉडल राज्य बनाने का संकल्प लिया है। उनकी घोषणा के बाद अब सबकी निगाहें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर टिकी हैं, जिन्होंने अभी तक ऐसी कोई घोषणा नहीं की है।

इस पहल के तहत, राज्यपाल ने लोक भवन को फ्यूल कंजर्वेशन जोन के रूप में संचालित करने की बात कही है, जहां हर रविवार को पेट्रोल-फ्री संडे मनाया जाएगा। इसका अर्थ है कि रविवार को किसी भी सरकारी वाहन में आयातित ईंधन का उपयोग नहीं होगा, और सभी सरकारी कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या संयुक्त यात्रा व्यवस्था के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने गैर-जरूरी बैठकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित करने के निर्देश दिए हैं ताकि अनावश्यक सड़क यात्रा और ईंधन खर्च को कम किया जा सके। सरकारी कार्यक्रमों और आयोजनों को भी समेकित किया जाएगा, जिससे वाहनों की आवाजाही कम हो। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होने के नाते, राज्यपाल ने कुलपतियों से भी कैंपस में ईंधन और ऊर्जा संरक्षण को संस्थागत रूप से लागू करने की अपील की है। उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को कारपूलिंग, साइकिल चलाने और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश देने को कहा।

ममता ने कहा- अकेले आए थे, अकेले ही जाना है

-हार के बाद टीएमसी प्रमुख ने कविता के जरिए दिया संदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में ममता बनर्जी का 15 साल पुराना शासन समाप्त हो गया है। तृणमूल कांग्रेस की इस बड़ी हार और सत्ता गंवाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब एक अलग ही भावनात्मक और कूटनीतिक अंदाज में नजर आ रही हैं। चुनाव परिणामों के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी लिखी एक कविता साझा की है, जिसका शीर्षक है ब्रेव यानी बहादुर। इस कविता के माध्यम से उन्होंने न केवल हार से निराश कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की है, बल्कि जीवन के शाश्वत सत्य का भी उल्लेख किया है।

ममता बनर्जी ने अपनी कविता में संदेश दिया है कि असली ताकत इंसान के भीतर होती है। उन्होंने लिखा, बहादुर और मजबूत बनो। अगर आपको खुद पर भरोसा है, तो दुनिया की कोई ताकत आपको छू नहीं सकती। आपकी ताकत आपके भीतर है, इसे गरिमा के साथ बनाए रखें। कायर हमेशा कायर ही रहेंगे, लेकिन मजबूत लोग हमेशा टिके रहते हैं। कार्यकर्ताओं को जीवन का दर्शन समझाते हुए उन्होंने आगे लिखा कि मनुष्य इस दुनिया में अकेले आता है और उसे अकेले ही जाना पड़ता है, केवल उसके अच्छे कर्म ही जीवित रहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बुराई अधिक समय तक नहीं टिक सकती और अंत में जीत अच्छाई की ही होगी।

गौरतलब है कि इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस 293 सीटों में से केवल 80 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा ने 207 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। इस करारी हार के बाद तृणमूल खेमे में भारी असंतोष देखा जा रहा है। पार्टी के कई दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कई नेताओं ने नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जिसके जवाब में पार्टी ने कोहिनूर मजूमदार और रिजु दत्ता सहित कई प्रवक्ताओं को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। ऐसे कठिन समय में ममता बनर्जी की यह कविता बिखरी हुई पार्टी को एकजुट रखने और समर्थकों में नई ऊर्जा फूंकने का एक कूटनीतिक प्रयास मानी जा रही है। राज्य में अब सत्ता परिवर्तन हो चुका है और भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर नई सरकार की कमान संभाल ली है।

सोनिया गांधी रूटीन चेकअप के बाद घर लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रूटीन चेकअप के लिए गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि जांच के बाद वह घर लौट आई हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी को मंगलवार रात करीब 10:30 बजे मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अस्पताल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे पहले 24 मार्च को बुखार और संक्रमण के कारण उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां वह 7 दिन तक डॉक्टरों की निगरानी में रही थीं। राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को जनवरी से अब तक तीसरी बार भर्ती होना पड़ा है। इससे पहले मार्च में उन्हें सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया था। पेट में इंफेक्शन से जुड़ी समस्या बताई थी, जिसके इलाज के लिए वह वहां पहुंची थीं। वहीं जनवरी में उन्हें सांस लेने में समस्या हुई थी। यह भी कहा गया था कि दिल्ली में बढ़े हुए प्रदूषण और सर्दी के चलते भी उन्हें यह परेशानी हुई है। जून 2025 में भी सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया था। तब उन्हें हाई ब्लड प्रेशर की समस्या बताई थी। बता दें बीते कुछ सालों से सोनिया गांधी का स्वास्थ्य थोड़ा खराब रहा है। माना जाता है कि इसके चलते उन्होंने कांग्रेस में अपनी सक्रियता भी पहले के मुकाबले कम कर दी है। यही नहीं राजनीतिक बैठकों, रैलियों आदि में भी वह पहले के मुकाबले कम ही दिखाई देती हैं। अभी 5 राज्यों के चुनाव प्रचार में भी उनकी सक्रियता नहीं नजर आई। प्रचार की पूरी कमान राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे नेताओं ने ही संभाल रखी थी।

गोल्फ के जरिए दिल्ली को वैश्विक पहचान दिलाने पर मंथन

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। पद्म भूषण कपिल देव, अध्यक्ष, डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया तथा अमनदीप जोहल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया ने दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से मुलाकात कर इस बात पर चर्चा की कि गोल्फ किस प्रकार दिल्ली को विश्वस्तरीय वैश्विक शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार की उन पहलों के लिए कपिल देव का सहयोग मांगा, जिनका उद्देश्य राजधानी की वैश्विक प्रतिष्ठा और अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करना है। कपिल देव ने कहा कि दिल्ली में गोल्फ के विकास के लिए पहले से ही मजबूत आधार मौजूद है और वह ऐसी किसी भी पहल में अपना समय और सहयोग देने के लिए तैयार हैं, जो राजधानी की प्रतिष्ठा बढ़ाने तथा खेल के माध्यम से उसकी अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत करने में सहायक हो। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पास गोल्फ के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं हैं और यहां उपलब्ध सुविधाएं इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में मदद कर सकती हैं। बैठक के दौरान कपिल देव ने उपराज्यपाल को सिख गुरुद्वारों पर आधारित एक विशेष पुस्तक भी भेंट की, जिसे उन्होंने अपने लिए बेहद प्रिय बताया। इस अवसर पर दिल्ली में मौजूद प्रमुख गोल्फ स्थलों और परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई। इनमें दिल्ली गोल्फ क्लब, कुतुब गोल्फ कोर्स तथा द्वारका में विकसित किया जा रहा नया गोल्फ प्रकल्प प्रमुख रूप से शामिल रहे। बताया गया कि दिल्ली गोल्फ क्लब दुनिया के नामी गोल्फ खिलाड़ियों की भागीदारी वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप की मेजबानी करता है, जबकि कुतुब गोल्फ कोर्स में डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप का सफल आयोजन हो चुका है। अमनदीप जोहल ने कहा कि दिल्ली भारतीय गोल्फ की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थापित गोल्फ स्थलों और नई सुविधाओं के कारण राजधानी पेशेवर गोल्फ प्रतियोगिताओं के मजबूत कैलेंडर को समर्थन देने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया इस खेल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए संबंधित पक्षों के साथ मिलकर कार्य करने को प्रतिबद्ध है। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि गोल्फ, पर्यटन, बड़े खेल आयोजन, आतिथ्य क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता मिलकर दिल्ली को वैश्विक राजधानी के रूप में नई

नाट्यमूर्ति स्कूल ऑफ डांस द्वारा नृत्योपासना का भव्य आयोजन आज 14 मई को

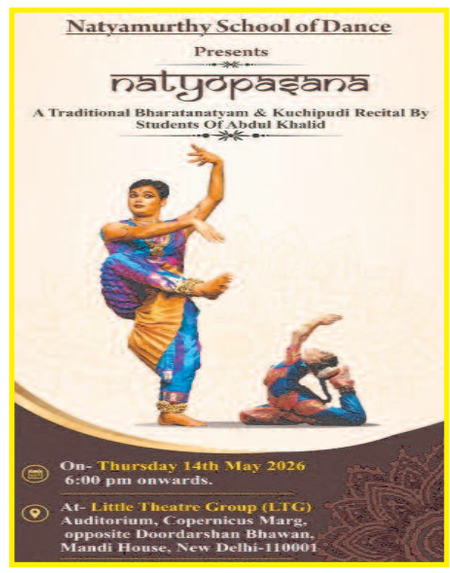

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नाट्यमूर्ति स्कूल ऑफ डांस द्वारा नृत्योपासना नामक भव्य नृत्य संध्या का आयोजन 14 मई 2026 को सायं 6 बजे से किया जाएगा। यह कार्यक्रम लिटिल थिएटर समूह (एलटीजी) सभागार कोपरनिकस मार्ग, डोरसेशन भवन के सामने, मंडी हाउस, नई दिल्ली में आयोजित होगा।

इस विशेष अवसर पर प्रसिद्ध नृत्य गुरु अब्दुल खालिद के मार्गदर्शन में उनके शिष्यों द्वारा भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी की पारंपरिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों को अपनी कला प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना है, बल्कि दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गहराई, सौंदर्य और नवरसों के अद्भुत अनुभव से भी परिचित कराना है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चित्रा शर्मा, जो कि प्रमुख कथक कला समीक्षक, लेखिका एवं विदुषी हैं, अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाएंगी। वहीं विशिष्ट अतिथियों में कांदिवरी सिंह, जो सर्वोच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, इंदु पुरी, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं, अर्पिता बड़ोदिया, जो सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में ग्राहक सेवा प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं, तथा श्रुति सिन्हा, जो कथक विशेषज्ञ हैं, शामिल होंगी।

कार्यक्रम की विशेषताओं में भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी की शास्त्रीय विधाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां, गुरु अब्दुल खालिद द्वारा संयोजित पारंपरिक रचनाएं, तथा विद्यार्थियों की कला, समर्पण और साधना की अद्भुत झलक प्रमुख रूप से देखने को मिलेगी।

स्कूल के संस्थापक अब्दुल खालिद ने बताया कि उनका उद्देश्य नई पीढ़ी में शास्त्रीय नृत्य के प्रति प्रेम और सम्मान को जागृत करना है। नृत्योपासना इसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जो कलाकारों और दर्शकों के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य करेगा। दिल्ली के सांस्कृतिक प्रेमियों के लिए यह आयोजन एक अविस्मरणीय अनुभव साबित होगा। सभी कला प्रेमियों को इस भव्य नृत्य संध्या में सादर आमंत्रित किया गया है।

क्लीन पॉलिटिक्स करने वाले अब डर्टी पॉलिटिक्स करने पर उतारु : स्टालिन

-देखना होगा कि अन्नाद्रमुक के विधायकों को क्या मिलता है

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में विश्वास मत के बाद नया सियासी घमासान छिड़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार पर गंदी राजनीति (डर्टी पॉलिटिक्स) करने का गंभीर आरोप लगा दिया है। डीएमके नेता स्टालिन ने कहा कि डीएमके ने पहले ही यह रुख अपना लिया था कि वह टीवीके सरकार के गठन या उसके बने रहने में कोई बाधा नहीं डालेगी। इसी के तहत डीएमके विधायकों ने विश्वास मत का बहिष्कार किया और सदन से वॉकआउट कर गए। स्टालिन ने बताया कि विधानसभा में उनके गठबंधन सहयोगियों प्रेमलता विजयकांत, प्रोफेसर जवाहरुल्लाह, थमिमुन अंसारी और नित्यानंदन ने भी सदन से वॉकआउट कर उनका साथ दिया। वहीं, सीपीआई, सीपीआई (एम), आईयूएमएल और वीसीके जैसे सहयोगी दलों ने राष्ट्रपति शासन की संभावना को रोकने के लिए सरकार के पक्ष में मतदान किया, जिसके लिए स्टालिन ने दोनों निर्णयों का सम्मान व्यक्त किया। हालांकि, स्टालिन ने आरोप लगाया कि अब टीवीके सरकार उन लोगों का भरोसा तोड़ रही है, जिन्होंने सरकार बनने की मदद की। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में सत्ताधारी दल की गतिविधियों और सहयोगी दलों के बयानों से साफ हो गया है कि सरकार स्वच्छ राजनीति के अपने वादे से भटक चुकी है। डीएमके प्रमुख ने टीवीके पर अन्नाद्रमुक के अंदरूनी विवाद का फायदा उठाकर उसके विधायकों को अपने पक्ष में करने का आरोप लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग क्लीन पॉलिटिक्स का नारा देकर सत्ता में आए थे, वे अब डर्टी पॉलिटिक्स में शामिल हुए हैं।

स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय को संबोधित कर कहा कि तमिलनाडु की जनता सरकार की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है और यह भी देख रही है कि अन्नाद्रमुक से जुड़े विधायकों को किस तरह का रिटर्न गिफ्ट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीएमके अपनी विचारधारा से पीछे नहीं हटेगी और राज्य में एक मजबूत व रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाती रहेगी। उनके इस बयान के बाद तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है।

अधिकारी किसानों के लिए सेना की तरह काम करें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

-सोरेन सरकार की कृषि मंत्री ने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने के दिए निर्देश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में सोरेन सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के उत्थान के प्रति गंभीर है और इस दिशा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के हित के लिए जो काम करेंगे, उनको सम्मान दिया जाएगा और जो लापरवाही करेंगे उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री तिर्की मंगलवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कर्मशाला 2026 के दूसरे दिन कर्मशाला में कृषि प्रभाग के निदेशकों की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मानसून में कम बारिश के आसार है जिस कारण सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में राज्य सरकार पहले से ही तैयारी कर किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। सुखाड़ की आशंका को देखते हुए सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों को अपने अपने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए समय अहम होता है। उसे यदि सही समय पर बीज न मिले, सिंचाई की सुविधा न मिले तो सारी मेहनत बेकार है।

उन्होंने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग एक सेना के रूप में किसानों के लिए काम करेंगे। जिला में नोडल पदाधिकारी जिला कृषि पदाधिकारी रहेंगे और कृषि प्रभाग से जुड़े सभी पदाधिकारी मिलकर एक्शन मोड पर काम करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि 15 मई को जिला स्तरीय बैठक बुलाए, जिसमें प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसकी रिपोर्ट राज्य के नोडल पदाधिकारी को भेजेंगे। 20 मई को हर जिला में खरीफ मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 500 प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। इसमें हर प्रखंड से भागीदारी हो इसे तय करेंगे।

मेला में मृदा जांच काउंटर भी उपलब्ध कराएंगे। कर्मशाला में जो बातें आपने सीखी है उसे सरल तरीके से किसानों को समझाना होगा। कृषि विभाग से क्या मदद मिल सकती है उसकी जानकारी भी दें। 22 मई को प्रखंड स्तर भी खरीफ मेला का आयोजन करें और पंचायत स्तर भागीदारी तय करें। हर पंचायत से 50-50 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी तय करें। बीज का वितरण एसएचजी और एफपीओ के जरिए हो इसे भी तय करेंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि यह तय किया जाए कि पशुओं के दवाई का वितरण समय पर होने के लिए निविदा समय पर निकाली जाए। मई अंत तक तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य समाप्त हो जाना चाहिए। किसान आय के अन्य उपायों को भी अपनाने पर जोर दें, इसके लिए उन्हें प्रेरित करना होगा। जिला कृषि पदाधिकारी को अपने जिले की कृषि से संबंधित सभी जानकारी रखनी होगी।

पाकिस्तान से बातचीत होते रहना चाहिए : संघ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए नागरिक समाज की भूमिका और आपसी संवाद पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम लोगों के बीच आपसी संपर्क है और बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए।

होसबाले ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने भारत का विश्वास पूरी तरह खो दिया है। ऐसी स्थिति में अब समय आ गया है कि दोनों देशों का नागरिक समाज, शिक्षाविद, खिलाड़ी, वैज्ञानिक और सामुदायिक नेता आगे आएं और नेतृत्व करें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अंततः नागरिक समाज के रिश्ते ही काम आएंगे क्योंकि दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं और हम कभी एक ही राष्ट्र रहे हैं।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने 26/11, पुलवामा और पहलगाम जैसे हमलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक स्तर पर हर संभव प्रयास किए जा चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान की ओर से उकसावे वाली हरकतें जारी रहती हैं। इसके बावजूद, उन्होंने सुझाव दिया कि व्यापार, वाणिज्य और वीजा जारी करने जैसी प्रक्रियाएं बंद नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, कूटनीतिक संबंधों को बनाए रखने का उद्देश्य यही है कि संवाद के लिए हमेशा एक खिड़की खुली रहे। उन्होंने सरकार को सलाह देते हुए कहा कि किसी भी देश की सुरक्षा और आत्मसम्मान की रक्षा करना सर्वोपरि है और मौजूदा सरकार को इसका पूरा ध्यान रखना चाहिए। लेकिन सुरक्षा चिंताओं के साथ-साथ ट्रैक टू कूटनीति और जन-संपर्क को और अधिक आजमाया जाना चाहिए। उन्होंने माना कि राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व में भारत के प्रति नकारात्मकता हो सकती है, लेकिन सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर जुड़ाव ही भविष्य की उम्मीद है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पारंपरिक राजनयिक माध्यमों पर काफी समय से चुप्पी छाई हुई है और नागरिक समाज की भागीदारी को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

सोने के बहाने डॉलर की अकड़ कम करना हो सकता है पीएम का दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौक-चौराहों से लेकर सोशल मीडिया तक, इन दिनों हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से सोना खरीदने और विदेश घूमने से मना क्यों किया? दरअसल, मौजूदा समय में पश्चिम-एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 75 डॉलर से उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85प्रतिशत से ज्यादा तेल आयात करता है और इसका भुगतान डॉलर में करना पड़ता है, इसलिए तेल खरीदना अब देश के लिए बहुत महंगा सौदा साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री जानते हैं कि तेल अनिवार्य है क्योंकि ट्रक चलेंगे तभी अनाज पहुंचेगा और फैक्ट्रियां चलेंगी तभी अर्थव्यवस्था की पहिया घूमेगा। इसलिए उन्होंने उन चीजों पर कटौती की अपील की है जिन्हें टाला जा सकता है, जैसे सोना और पर्यटन।

प्रधानमंत्री ने लगातार दो दिनों तक जनता से अगले एक साल के लिए सोने से दूरी बनाने, पेट्रोल-डीजल और खाद्य तेल की खपत कम करने के साथ-साथ विदेश यात्राओं को फिलहाल टालने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री के इस बयान के अब गहरे आर्थिक और रणनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। असल में, यह पूरी कवायद भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की गिरती कीमत को संभालने की एक बड़ी कोशिश है।

भारत में सोने का मोह जगजाहिर है। आंकड़ों के अनुसार, वित्त-वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने करीब 6,11,830 करोड़ रुपये का 721 टन से अधिक सोना आयात किया। औसतन भारत हर घंटे 82 किलो सोना विदेशों से खरीदता है। जब हम इतनी भारी मात्रा में सोना या अन्य विलासिता की चीजें खरीदते हैं, तो बाजार में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। वर्तमान में रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को पार कर चुका है। यदि यह गिरावट जारी रही, तो डॉलर 100 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे देश में भीषण महंगाई का खतरा पैदा हो जाएगा। प्रधानमंत्री की यह अपील करेंट अकाउंट डेफिसिट को काबू में रखने और डॉलर पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए है। वर्क-फ्रॉम-होम और कारपूलिंग जैसी सलाहों के पीछे का मकसद भी यही है कि इंटरनेट का उपयोग कर पेट्रोल-डीजल की खपत घटाई जाए, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। सरल शब्दों में कहें, तो सरकार चाहती है कि वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव का असर मध्यम वर्ग की थाली पर न पड़े और भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों के बावजूद आत्मनिर्भर और मजबूत बनी रहे।

डूडाहेड़ा एसटीपी में बनेगा बायो सीएनजी प्लांट, नगर निगम ने किया एग्रीमेंट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद को प्रदूषण मुक्त करते हुए स्वच्छ वातावरण देने के लिए नगर निगम अब डूडाहेड़ा एसटीपी प्लांट में बायो सीएनजी प्लांट बनाने की तैयारी में जुट गया है। बुधवार को नगर निगम मुख्यालय पर मेयर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की मौजूदगी में गाजियाबाद बायोएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और वीए टेक वाबाग के साथ एग्रीमेंट साइन किया गया। इस एग्रीमेंट के तहत 70 एमएलडी की क्षमता वाले एसटीपी प्लांट से निकलने वाली बायो गैस से बायो सीएनजी बनाई जाएगी, जिससे वातावरण को साफ सुथरा रखा जाए। इस बायो सीएनजी का प्रयोग परिवहन और औद्योगिक क्षेत्र में किया जाएगा। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के अंतर्गत बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर आधार पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के तहत स्वच्छ ऊर्जा प्रणाली को अत्यधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इस

परियोजना के तहत अपशिष्ट जल शोधन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली बायो गैस का उपयोग करते हुए बायो सीएनजी बनाई जाएगी। इस योजना से मीथेन के उत्पादन में कमी लाई जाएगी। बायो सीएनजी प्लांट के शुरू होने से नगर निगम की आय में भी वृद्धि होगी। इस मौके पर अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव , अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी आदि मौजूद रहे।

सीबीएसई इंटरमीडिएट परीक्षा में नव्या जैन ने किया जिला टॉप, विद्यार्थियों में खुशी की लहर

शामली। (शिखर समाचार) सीबीएसई बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित होते ही जिलेभर के छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। परीक्षा परिणाम सामने आते ही विद्यालयों में जश्न का माहौल देखने को मिला। सफल विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासित अध्ययन के बल पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जनपद का नाम रोशन किया। इस वर्ष जनपद में स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा नव्या जैन ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉप किया। नव्या की इस उपलब्धि से विद्यालय और परिवार में हर्ष का माहौल है। नव्या ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास उनकी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी रहे। वहीं सिल्वर बैल्स स्कूल की छात्रा सौम्यता मित्तल ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद में द्वितीय स्थान हासिल किया। सौम्यता का सपना सरकारी चिकित्सक बनकर देश की

सेवा करना है। उनके पिता अमित मित्तल टैक्स बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ता हैं। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने छात्रा की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सौम्यता शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं और उन्होंने अनुशासन व निरंतर मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया। इसके अतिरिक्त स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा सना ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद में तृतीय स्थान प्राप्त किया। सना की सफलता पर विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल बना रहा। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विभिन्न विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। शिक्षकों ने कहा कि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और विद्यालयों के सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का ही परिणाम है कि जिले के छात्र लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। विद्यालय प्रबंधकों ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। परिणाम घोषित होने के बाद छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला। कई विद्यार्थियों ने अपने मित्रों और परिजनों के साथ रेस्तरां में पहुंचकर जश्न मनाया, जबकि अनेक छात्र छात्राएं एक दूसरे के घर जाकर मिठाइयां बांटते नजर आए।

एटीएम कैश वैन डकैती के वांछित 2 अभियुक्त मुठभेड़ में हुए ढ़ेर, 1 लाख के थे ईनामी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में बीती 6 मई 2026 को एटीएम कैश वैन डकैती के वांछित 2 अभियुक्त जुबैर और समीर को मुठभेड़ में पुलिस ने ढ़ेर कर दिया। दोनों के ऊपर 1-1 लाख रुपए का ईनाम घोषित था और पुलिस लगातार इनको गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही थी। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे हुए 9 लाख नगद, 1 स्विफ्ट कार, असलाह, कारतूस और सीसीटीवी की डीवीआर बरामद की। मुठभेड़ में स्वाट टीम प्रभारी अनिल राजपूत और थाना अध्यक्ष वेव सिटी मानवेंद्र सिंह की बुलेट प्रूफ जैकेट में गोली लगी। इसके अलावा तीन पुलिसकर्मी आशीष कुमार, संदीप कुमार और तरुण कुमार भी मुठभेड़ में घायल हुए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। खास बात यह है कि पुलिस इनके अन्य दो साथियों को पहले ही गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने बताया कि स्वाट टीम प्रभारी अनिल राजपूत को सूचना मिली थी कि एटीएम कैश वैन डकैती के

वांछित 2 अभियुक्त थाना वेव सिटी क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना वेव सिटी क्षेत्र में पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग अभियान शुरू किया। चेकिंग के दौरान नायफल रोड की तरफ से एक स्विफ्ट गाड़ी आई हुई दिखाई दी। पुलिस ने जब गाड़ी को रोकने का इशारा किया तो चालक गाड़ी लेकर भागने लगा। पुलिस टीम ने जब गाड़ी का पीछा किया तो गाड़ी अनियंत्रित होकर खेतों में चली गई। पुलिस ने जब अभियुक्तों को सरेंडर करने के लिए कहा तो उन्होंने पुलिस टीम पर फाइनल करना शुरू कर दिया, जिसमें तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों अभियुक्तों के गोली लगी और वह घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों की पहचान जुबैर अहमद और समीर खान के रुप में हुई। दोनों ही सेक्टर 12 प्रतापविहार थाना विजयनगर के निवासी थे। उन्होंने बताया कि इस डकैती को 6 लोगों ने मिलकर अंजाम दिया था, जिसके लिए उन्होंने 6 महीने तक रैकी की थी। बीती 6 मई को इन्होंने कैश वैन के ड्राइवर को हथियार दिखाकर वैन लूट ली थी और थाना मसूरी क्षेत्र में वैन को छोड़कर फरार हो गए थे। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस लगातार इनकी पहचान करने में लगी हुई थी। घटना से संबंधित दो अभियुक्त अभी फरार है और उन्हें भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सपा नेता के घर चला बुलडोजर, गांव में भारी तनाव सपाइयों में आक्रोश, पुलिस ने गांव में घुसने से रोका

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोदीनगर रोड स्थित गांव हैदरपुर नंगौला में बुधवार को सरकारी भूमि पर बने समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अयूब सिद्दीकी के मकान पर प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। घटना की जानकारी मिलते ही सपा नेताओं और कार्यकताओं में आक्रोश फैल गया तथा उन्होंने गांव की ओर कूच करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। जानकारी के अनुसार प्रशासन का आरोप है कि गांव के तालाब की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर मकान बनाया गया था। बताया गया कि गांव में करीब 42 मकान सरकारी भूमि पर बने हुए हैं, जिनको पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि ग्रामीणों और सपा नेताओं का आरोप है कि प्रशासन ने केवल सपा नेता के मकान को निशाना बनाते हुए एकतरफा कार्रवाई की है। बुधवार सुबह एडीएम संदीप कुमार, एएसपी विनीत भटनागर, एसडीएम इला श्रीवास्तव, तहसीलदार स्वाति गुप्ता तथा नायब तहसीलदार नितिन कुमार पुलिस बल और बुलडोजर के साथ गांव पहुंचे। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर मकान पर बुलडोजर चलवाया। कार्रवाई के दौरान गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

कार्रवाई के विरोध में ग्रामीणों और सपा कार्यकताओं ने नाराजगी जताई। हालात को देखते हुए गांव के सभी प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

मामला न्यायालय में विचाराधीन : अयूब सिद्दीकी

सपा नेता अयूब सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद प्रशासन ने दबाव में कार्रवाई की है। उन्होंने इसे राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताया।

कई सपा नेताओं को रोका गया

घटना की सूचना मिलने पर सपा जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष तेजपाल प्रमुख, इकबाल कुरैशी, प्रदेश सचिव संजय यादव, अनिल आजाद, कमाल मंसूरी और वसीम मेवाती सहित कई नेता गांव पहुंचने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें गांव में प्रवेश नहीं करने दिया। कुछ नेताओं को हाउस अरेस्ट किए जाने की भी चर्चा रही।

अधिकारियों से नहीं हो सका संपर्क

मामले को लेकर एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हो सका।

रेवेन्यू बार एसोसिएशन के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

नगीना/बिजनौर। (शिखर समाचार) पुरानी तहसील स्थित चेंबर भवन में बुधवार को रेवेन्यू बार एसोसिएशन के वर्ष 2026-27 के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एसडीएम विजय शंकर ने रेवेन्यू बार की कार्यशैली, अनुशासन और गंभीरता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जनपद की कई तहसीलों में कार्य किया है, लेकिन नगीना रेवेन्यू बार जैसी सभ्यता और अनुशासन कहीं देखने को नहीं मिला। उन्होंने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि रेवेन्यू बार के लिए प्रस्तावित दो मंजिला भवन निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजा जाएगा। समारोह में निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष सरदार हरदयाल सिंह, उपाध्यक्ष महावीर सिंह सैनी तथा महामंत्री डॉ. फूलचंद सिंह चौधरी को निवर्तमान अध्यक्ष सौरभ कौशिक ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। संयुक्त सचिव पद पर निर्वाचित आयशा एडवोकेट के नगर से बाहर होने के कारण उन्हें चार दिन बाद शपथ दिलाई जाएगी। इस दौरान साथी अधिवक्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया। नवनियुक्त अध्यक्ष सरदार हरदयाल सिंह ने कहा कि वह बार की मजबूती और अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए सभी को साथ लेकर कार्य करेंगे। वहीं महामंत्री डॉ. फूलचंद सिंह चौधरी ने बार भवन के सौंदर्यीकरण तथा टीनशेड वाले चेंबरों को पक्का कराने की घोषणा की। इस अवसर पर जगदीश सिंह, सुनील बिश्नोई, कुमार एडवोकेट, शहजाद आलम, अनिल बिश्नोई, मुकेश सैनी, सुनील सैनी, कमल सिंह चौहान, मुकेश चौहान सहित रेवेन्यू बार के अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री श्रीमती ओमवती देवी को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

बिजनौर (शिखर समाचार) ओमवती देवी के निधन पर जिला कांग्रेस कार्यालय बिजनौर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर कांग्रेस कमेटी बिजनौर के अध्यक्ष हुमायूँ बेग ने की, जबकि संचालन पूर्व जिला उपाध्यक्ष नजाकत अल्वी द्वारा किया गया। सभा में कांग्रेस कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा स्व. ओमवती देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके राजनीतिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने जनपद में लंबा और सक्रिय राजनीतिक सफर तय किया। वह चार बार नगीना से विधायक रहीं, एक बार बिजनौर से सांसद चुनी गईं तथा बसपा सरकार में मंत्री पद का दायित्व भी संभाला। नेताओं ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जिले के विकास

कार्यों को प्राथमिकता दी और समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कार्य किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिले के विकास में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता तथा उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। इस अवसर पर मुनीश त्यागी, विनोद तोमर एडवोकेट, चितवन शर्मा, मीनू गोयल, शारिक अली, समीर अहमद, मोहम्मद हनीफ, काजी आतिफ, गुलशन कुमार, अनिल त्यागी, मोहम्मद अकबर, सविता सिंह एडवोकेट, यूसुफ अंसारी, सैय्यद जाफर हसनैन गुड्डू, वसीम अकरम, मोहम्मद सलीम एडवोकेट, जेद बेग एडवोकेट, खालिद अंसारी, मोहम्मद खालिद, शाजिया परवीन एडवोकेट, कमरुन्निसा उर्फ चंदा, मिथलेश वर्मा, इब्राहिम, अब्दुल कादिर, आसिफ कुरैशी, नदीम अहमद सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज में रोष, सपा नेता राजकुमार भाटी के खिलाफ तहसील और थाने में दी तहरीर

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज पर की गई कथित अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में बुधवार को ब्राह्मण समाज के लोगों ने गढ़मुक्तेश्वर तहसील पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के नेतृत्व में समाज के लोगों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए सपा नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं गढ़मुक्तेश्वर थाना अध्यक्ष को भी इस संबंध में तहरीर दी गई। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग तहसील और थाने पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि समाज विशेष पर इस प्रकार की टिप्पणी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। विजेंद्र शर्मा ने कहा कि समाज में वैमनस्य फैलाने वाले लोगों का ब्राह्मण समाज पुरजोर विरोध करेगा और प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की अपेक्षा करता है। इस दौरान पंडित विजेंद्र शर्मा, अनुज शर्मा, पंडित संजय शास्त्री, महेश शर्मा, श्रीभगवान शर्मा, करण शर्मा, आशुतोष शर्मा, जिला संरक्षक डॉ. हर्षवर्धन शर्मा, पंडित मूलचंद शर्मा, प्रदीप शर्मा, पंडित विनोद शर्मा, धनंजय तिवारी, बच्चन शर्मा, राजवीर शास्त्री, शैलेश शास्त्री, टिंकू शर्मा, राहुल, रिंकू शर्मा, अंकुर त्यागी, शोभित ठाकुर, पवन शर्मा, अवनीश चौहान, कर्ण गौतम, अमित जोगी, अंकित राजपूत, रोहित पंडित, अंकित शर्मा, प्रशांत पंडित समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मेरठ रोड ओवरब्रिज पर 10 दिन बंद रहेगा ट्रैफिक

हापुड़ (शिखर समाचार)। मेरठ रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज की मरम्मत के चलते 14 मई से 23 मई तक पुल पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान मेरठ जाने वाले वाहनों को ततारपुर बाईपास से होकर गुजरना होगा। राष्ट्रीय राजमार्ग 335ए पर स्थित यह ओवरब्रिज दिल्ली-लखनऊ और मेरठ-खुर्जा रेलवे लाइन के ऊपर बना हुआ है। लंबे समय से मरम्मत न होने के कारण पुल के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों द्वारा लगातार इसकी शिकायत की जा रही थी। पुल पर भारी वाहन रुकने के दौरान कंपन महसूस होने से हादसे की आशंका भी बनी हुई थी। लोक निर्माण विभाग ने अब पुल की मरम्मत कराने का निर्णय लिया है। विभाग के अनुसार ओवरब्रिज के जॉइंट बदले जाएंगे और इसके लिए 10 दिनों तक ट्रैफिक पूरी तरह बंद रखा जाएगा। ओवरब्रिज बंद होने के कारण पुल के दोनों ओर रहने वाले लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मेरठ की ओर जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में ततारपुर बाईपास का इस्तेमाल करना होगा। 34 लाख रुपये की लागत से होगा कार्य लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि ओवरब्रिज की मरम्मत और जॉइंट बदलने का कार्य कराया जाएगा। इसके लिए ठेकेदार नियुक्त कर दिया गया है और करीब 34 लाख रुपये की लागत से यह कार्य 10 दिनों में पूरा किया जाएगा।

बुढ़ाना के मेपल्स की लविश चौधरी ने 12वीं में किया जनपद टॉप

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। सीबीएसई द्वारा बुधवार को 12वीं कक्षा का परीक्षाफल घोषित होते ही छात्र छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कस्बे के कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी की छात्रा लविश चौधरी ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद में टॉप किया है। छात्रा की इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। गांव कल्याणपुर निवासी लविश चौधरी के पिता हारून अली दिल्ली में सीआरपीएफ में कार्यरत हैं। लविश की सफलता पर विद्यालय परिवार ने खुशी जताते हुए उसे सम्मानित किया। विद्यालय की छात्रा अरीबा मेहर ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा तथा वंश जैन ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं डीएवी पब्लिक स्कूल में 12वीं की परीक्षा में अकाशी चौधरी ने 98 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वंशिका ने 88.6 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा तथा आर्यन सिंह ने 88 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मेपल्स एकेडमी के प्रबंधक राजीव गर्ग और प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का यह परिणाम है। लविश चौधरी के पिता हारून अली ने कहा कि उनकी बेटी ने कठिन परिश्रम और अनुशासन के बल पर यह सफलता हासिल की है। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया।

लविश चौधरी

बीएसएम स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटरमीडिएट में लहराया परचम

शामली। (शिखर समाचार) शहर के बीएसएम स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्र-छात्राओं की शानदार सफलता से विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल बना रहा। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय तालियों, बधाइयों और मिठाइयों की खुशबू से गूंज उठा। इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के 10 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए। छात्र-छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। विद्यालय की छात्रा टिया गोयल ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। देवांश पवार ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। अयान खान ने 93.6 प्रतिशत, जिया फातिमा ने 93.4 प्रतिशत तथा आदित्य चौहान ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त अश्विं और अक्षत चौहान ने 92.6 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं देवांश ने 91.8 प्रतिशत, वेदांगी ने 91.6 प्रतिशत तथा लक्ष्य शर्मा ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, मैनेजर छाया सिंह एवं चेयरमैन सूर्यवीर सिंह ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पण का ही यह परिणाम है।

रालोद के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी का हँशुपुर में भव्य स्वागत

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय लोक दल के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी का बुधवार को गढ़ क्षेत्र के गांव हँशुपुर पहुंचने पर पार्टी कार्यकताओं और ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। गांव में आयोजित बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी हित में सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में रालोद के प्रदेश महासचिव शिवकुमार त्यागी और जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए आगामी 17 तारीख को हापुड़ में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। स्वागत समारोह में अमित सिंधु, वसीम चौधरी, दीपक, धीरज, मनवीर सिंह, अजीत सिंह, रणजीत सिंह, जोगिंदर सिंह, शिवराज सिंह, मोनू गुर्जर, विशु चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

चूहों की बदबू से महिला आयोग की सदस्य हुईं परेशान, निरीक्षण छोड़कर लौटीं

बांदा , एजेंसी। यूपी राज्य महिला आयोग की सदस्य अर्चना पटेल सोमवार को बांदा स्थित महोखर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के निरीक्षण के दौरान मरे हुए चूहों की असहनीय दुर्गंध के कारण निरीक्षण बीच में ही छोड़कर चली गईं। उन्होंने छात्रावास और रसोई में व्याप्त गंदगी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। सर्किट हाउस में महिलाओं की शिकायतें सुनने के बाद, अर्चना पटेल कस्तूरबा विद्यालय महोखर का निरीक्षण करने पहुंचीं। विद्यालय के स्टोर रूम के पास पहुंचते ही उन्हें मरे हुए चूहों की तेज बदबू का एहसास हुआ। दुर्गंध इतनी तीव्र थी कि वह कक्ष में प्रवेश करने की हिम्मत नहीं जुटा सकीं और तुरंत बाहर की ओर भागीं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान, अर्चना पटेल ने छात्राओं के शयन कक्षों का भी जायजा लिया। उन्होंने पाया कि छात्राओं के कमरों में कूलर की कोई व्यवस्था नहीं थी, जबकि स्टाफ के कमरों में कूलर लगे हुए थे। उन्होंने इस पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में गर्मी और बढ़ेगी, ऐसे में छात्राओं को बिना कूलर के परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने इस समस्या का शीघ्र समाधान करने का आदेश दिया। अर्चना पटेल ने बताया कि स्टोर रूम में रखे फलों के पास से आ रही चूहों की बदबू इतनी असहनीय थी कि वह अंदर नहीं जा सकीं। उन्होंने महिला थानाध्यक्ष को स्थिति देखने के लिए कहा। उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि जहां विद्यालय का स्टाफ सोता है, वहां कूलर की सुविधा है, लेकिन छात्राओं के रहने के स्थानों पर ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने लगभग आधे घंटे तक अध्ययन कक्ष, विश्राम कक्ष और भोजनालय का निरीक्षण किया और सभी स्थानों पर विशेष रूप से साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

स्मार्ट मीटर तोड़ने वालों पर बिजली विभाग का गुपचुप एक्शन

आगरा, एजेंसी। आगरा में स्मार्ट मीटरों के खिलाफ कुछ समय पहले हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अब बिजली विभाग गुपचुप तरीके से एक्शन मोड में आ गया है। विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में तोड़े गए स्मार्ट मीटरों का ब्योरा जुटाना शुरू कर दिया है। विभाग की इस कवायद के बाद प्रदर्शन के दौरान स्मार्ट मीटर तोड़ने वाले उपभोक्ताओं पर रिकवरी की तलवार लटकने लगी है। बिजली विभाग के सूत्रों के मुताबिक पिछले महीनों में स्मार्ट मीटरिंग के विरोध के दौरान कई जगह तोड़फोड़ की शिकायतें मिली थीं। विभाग अब क्षेत्रवार ऐसी सूची तैयार कर रहा है। नियमानुसार, यदि मीटर उपभोक्ता के परिसर में लगा है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उपभोक्ता की होती है। वहीं, सरकारी संपत्तियों के नुकसान पर योगी सरकार की नीति स्पष्ट है। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना अपराध है। ऐसे में माना जा रहा है कि जिन मीटरों को नुकसान पहुंचाया गया, उनकी रिकवरी उपभोक्ताओं से हो सकती है। आगरा जोन के मुख्य अभियंता कपिल सिंधवानी ने बताया कि स्मार्ट मीटर के प्रीपेड वर्जन को खत्म करने के ऊर्जा मंत्री के निर्देशों का पालन किया जा रहा है। अगले महीने से बिल महीने के अंत में ही आएगा। टूटे मीटरों पर उच्चाधिकारियों के निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है। विभाग के नियम के अनुसार स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद उसमें आने वाली किसी भी तकनीकी या अन्य खामी पर विभाग ही मीटर बदलवाएगा। इसके लिए उपभोक्ता से कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं लिया जाएगा। हालांकि मीटर को जानबूझकर नुकसान पहुंचाए जाने पर उपभोक्ता की जवाबदेही है। चूंकि मीटरों को तोड़ने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। ऐसे में विभाग के सामने भी पेंच है कि वह नुकसान की भरपाई करे या अपने खर्च पर मीटर दोबारा लगवाए।

व्यापारियों ने जमीन कब्जा करने का लगाया आरोप, सीएम से की शिकायत

गोरखपुर , एजेंसी। कस्बे के पुरानी हनुमानगढ़ी निवासी व्यवसायी शशि कुमार अग्रवाल और शरद कुमार अग्रवाल ने अपनी जमीन पर कुछ लोगों की ओर से अवैध कब्जे करने, धमकी और धन उगाही की कोशिश करने का आरोप लगाया है। आरोपियों पर 50 लाख रुपये मांगने का भी आरोप है। पीड़ित व्यापारियों ने मुख्यमंत्री समेत प्रशासनिक अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजकर मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने वर्ष 2019 में एक मकान और जमीन खरीदी थी। हाल ही में निर्माण कार्य शुरू कराने पर कुछ लोग लगातार आपत्ति जता रहे हैं। आरोप है कि विरोध करने वाले लोग प्रशासन को भ्रामक शिकायतें भेजने के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से भी दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यही नहीं आरोपी जमीन के बदले आधा हिस्सा अथवा 50 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। मांग पूरी नहीं होने पर निर्माण कार्य रुकवाने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही है। थाना प्रभारी सुनील कुमार राय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मोदी की अपील से सराफा कारोबार को बड़ा झटका

एक साल तक सोने की गैर जरूरी खरीद से बचने की प्रधानमंत्री ने की थी अपील

आगरा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील कि एक साल तक सोने की गैर जरूरी खरीद से बचें...। सराफा कारोबारियों को रास नहीं आ रही। सोना और चांदी व्यापारियों का कहना है कि जब कोई नहीं खरीदेगा सोना तो हमें व्यापार में पड़ेगा रोना। दुकानें बंद कर चाबियां सौंप देंगे। सरकार हमारे लिए भी पेंशन और भत्ता शुरू कराए।

चांदी की मंडी कहे जाने वाले आगरा में प्रतिदिन करीब 10 से 15 किलो सोने की बिक्री होती है। वहीं, हर महीने करीब 5000 किलो चांदी का व्यापार है। सोने के गहने बनाने वाले करीब 2000 से अधिक व्यापारी और 10 हजार से अधिक कारीगर हैं। जबकि 150 से 200 होल सेल सोना कारोबारी हैं। प्रतिदिन सोने का 20 से 25 करोड़ रुपये का जिले में कारोबार है। व्यापारियों का कहना है कि रेट के कारण पहले ही धंधा मंदी से जूझ रहा था। अब इस बयान से रोजी रोटी का संकट खड़ा होगा। सहालग में लोग गहने नहीं बनवाएंगें, तो हम क्या खाएंगे। कुछ व्यापारी इसे सोना और चांदी पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के लिए सरकार की सोची-समझी रणनीति बता रहे हैं। उनका कहना है कि व्यापारी विरोध न करें। इसलिए सोना कम खरीदने की अपील कर माहौल बनाया जा रहा है। इससे कारोबार प्रभावित होगा।

व्यापारियों का पीड़ा...

इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की साजिश: आगरा सराफा स्वर्णकार व्यावसायिक कमेटी के संरक्षक राजू मेहरा ने बताया कि सोना नहीं खरीदने की अपील कर सरकार सोना और चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाना चाहती है। उसके लिए यह रूपरेखा बनाई जा रही है। सराफा कारोबारियों के लिए सरकार को भत्ता और पेंशन शुरू करना चाहिए।

15 हजार मजदूर होंगे प्रभावित : आगरा सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने बताया कि पीएम ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए यह अपील की है, लेकिन उन्हें आगरा के 15 हजार मजदूरों के बारे में भी सोचना चाहिए। सोना-चांदी का व्यापार नहीं होगा तो कारोबारी और मजदूर दोनों के लिए रोटी रोटी का संकट बढ़ेगा।

सोना खरीद से बचेगा निवेशक : सराफा कारोबारी तरुन अग्रवाल ने बताया कि इस अपील से वो निवेशक प्रभावित होंगे। जो दो-चार लाख रुपये से निवेश कर ब्रेसलेट, चेन या कोई गहना खरीद लेते थे। सोना और चांदी दोनों व्यापार में मंदी है। जरूरत वाला ग्राहक ही सोने की खरीद करता है।

सोना हमारी सुरक्षा और बचत : आभूषण ज्वेलर्स आनंद प्रकाश ने बताया कि सोना हमारे लिए कोई वस्तु नहीं, बल्कि सुरक्षा, बचत और संस्कृति है। भावनाओं से जुड़ी संपत्ति है। ऐसे में सोच समझकर खरीद करें। वित्तीय संतुलन और आवश्यकता को ध्यान में रखें। शादी विवाह के लिए निवेश जारी रखें।

भय और आंसुओं के बीच उठी डोली, मंगेतर के साहस ने दी दुष्कर्म पीड़िता को नई जिंदगी

कानपुर, एजेंसी। फतेहपुर जिले में भय, बदनामी और आंसुओं के माहौल के बीच आखिरकार दुष्कर्म पीड़िता की शादी उसके मंगेतर के साथ संपन्न हो गई। खागा में हुई घटना के बाद परिवार पूरी तरह टूट चुका था। आरोपी के जेल जाने के बाद कस्बे के एक मैरिज हाल में पीड़िता सात फेरों के बंधन में बंध गई। पुलिस ने सादी वर्दी में चुपचाप शादी संपन्न कराई।

तरह-तरह की चर्चाओं और माहौल को देखते हुए थरियांव पुलिस लगातार सतर्क रही। बता दें शनिवार को शहर के तांबेश्वर मंदिर में दोनों ने सादगी के साथ विवाह किया। इसके बाद रविवार को हसवा मोड़ स्थित एक मैरिज हाल में सीमित लोगों की मौजूदगी में वरमाला और अन्य वैवाहिक रस्में पूरी हुई।

शादी समारोह को गोपनीय रखा गया, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या विरोध की स्थिति पैदा न हो। पूरी रात थरियांव पुलिस सादी वर्दी में इलाके में गश्त करती रही। शादी समारोह में न कोई शोर था और न ही उत्सव जैसा माहौल, लेकिन पीड़िता के चेहरे पर जिंदगी को फिर से शुरू करने की उम्मीद साफ दिखाई दी।

घटना में पुलिस पहले ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। क्षेत्र में यह शादी चर्चा का विषय बनी रही, जहां लोगों ने मंगेतर के इस फैसले को साहस और साथ निभाने की मिसाल बताया। लोगों ने नव दंपती को खुशहाल जीवन की शुभकामनाएं दीं।एक मैरिज हाल में शादी की रस्में पूरी कराई गई हैं।

ट्रक ने सफाई वाहन में मारी टक्कर, एक की मौत; तीन लोग घायल, लखनऊ के लिए रेफर

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के अयोध्या में मंगलवार को सुबह 06:30 बजे नगर निगम के सफाई वाहन और ट्रक में टक्कर हो गई। हादसे में सफाई वाहन में सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि, ट्रक चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। हादसा कैंट कोतवाली क्षेत्र के सहादगंज ओवरब्रिज पर हुआ।

बताया गया कि बस्ती की ओर से जा रहे ट्रक ने सफाई वाहन में टक्कर मार दी। हादसे में सफाई वाहन में सवार हाथरस जिले के सिकंदरा रावत, निजरा गोकुलपुर निवासी अजय कुमार (40) और बृजेश सिंह (40) गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि, ट्रक सवार कासगंज जिले के धोलका थाना क्षेत्र के छिछोरे निवासी चालक पुष्पेंद्र (30) व क्लीनर रंजीत (17) घायल हो गए। कैंट पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भेजा। वहां चिकित्सकों ने अजय कुमार को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल बृजेश को लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया है। इस दौरान हाईवे पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। सीओ नगर श्रीयश त्रिपाठी ने क्रेन बुलवाकर वाहनों को हटवाया। इसके बाद यातायात सुचारू हो सका।

किसानों की समस्याओं को लेकर 25 मई को जेवर तहसील में होगी महापंचायत

जेवर (शिखर समाचार) गांव चौरौली स्थित भारतीय किसान यूनियन कैंप कार्यालय पर बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता रामकुमार शर्मा ने की। बैठक में क्षेत्र व गांव के सम्मानित किसानों, बुजुर्गों तथा युवा साथियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी पवन महेंद्र सिंह चौरौली ने किसानों और क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर आगामी 25 मई को जेवर तहसील परिसर में विशाल पंचायत आयोजित की जाएगी, जिसमें क्षेत्र के हजारों किसान शामिल होकर अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करेंगे।

बैठक में यमुना प्राधिकरण द्वारा लगातार की जा रही वादाखिलाफी, खुर्जा पुल की सीढ़ियों का निर्माण न होना, ग्रेटर नोएडा आने-जाने पर टोल टैक्स वसूली, आधार कार्ड के आधार पर स्थानीय लोगों को चढ़ने-उतरने की सुविधा न मिलने, किसानों को चार गुना मुआवजे से वंचित रखने, किसानों के बच्चों को रोजगार न देने तथा विस्थापित किसानों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

किसानों ने खाद और यूरिया की कमी तथा बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई। वक्ताओं ने कहा कि धान की खेती का समय नजदीक है, लेकिन किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद और यूरिया नहीं मिल पा रही है। घंटों लाइन में लगने के बावजूद किसान खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। वहीं बिजली कटौती और अव्यवस्थाओं के कारण खेतों की सिंचाई भी प्रभावित हो रही है। भारतीय किसान यूनियन ने मांग की कि किसानों को तत्काल पर्याप्त मात्रा में खाद और यूरिया उपलब्ध कराया जाए तथा किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

बैठक में कहा गया कि विकास के नाम पर किसानों के साथ हो रहे अन्याय को अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसान अपने हक और सम्मान की लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और 25 मई की पंचायत किसानों के भविष्य और अधिकारों की निर्णायक पंचायत साबित होगी।

भारतीय किसान यूनियन ने क्षेत्रवासियों, किसान भाइयों, माताओं, बुजुर्गों और नौजवानों से भारी संख्या में पंचायत में पहुंचकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

राजधानी में आईटी सिटी योजना में ईडी का पेच, 100 करोड़ की जमीन अटैच

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सुल्तानपुर रोड पर एलडीए की वेलनेस सिटी योजना में माफिया अतीक अहमद की 50 बीघा से अधिक जमीन का मामला सामने आने के बाद अब आईटी सिटी योजना में ईडी का पेच फंस गया है। यहां करीब 100 करोड़ रुपये की ऐसी जमीन सामने आई है, जो मनी लॉन्ड्रिंग के जरिये खरीदी गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इसे अटैच कर दिया है। इससे योजना की रफ्तार पर असर पड़ सकता है।

एलडीए सुल्तानपुर रोड पर किसान पथ के किनारे करीब 1054 हेक्टेयर में आईटी सिटी योजना विकसित कर रहा है। इसमें 11 गांवों की जमीन लैंडपूलिंग से ली गई है। एलडीए निशुल्क जमीन ले रहा है और बदले में 25 प्रतिशत विकसित जमीन प्लॉट के रूप में दे रहा है। 10 एकड़ से अधिक जमीन देने वालों को 50 प्रतिशत विकसित जमीन दी जा रही है।

कई गांवों की जमीन को ईडी ने अटैच किया : एलडीए एक साल में करीब 300 हेक्टेयर जमीन ही लैंडपूलिंग के जरिये भूस्वामियों से ले चुका है। बाकी जमीन लेने के लिए अब अधिग्रहण की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसकी जांच के दौरान सामने आया कि योजना में शामिल कई गांवों की जमीन को ईडी ने अटैच किया है।

जानकारों ने बताया कि एक बिल्डर ने मनी लॉन्ड्रिंग के जरिये ये जमीन खरीदी हैं। सूत्रों ने बताया कि रमेश कुमार नामक व्यक्ति के नाम से यह जमीन वर्ष 2013 और उसके आसपास खरीदी गई हैं। ईडी ने कई रजिस्ट्री की जानकारी जिला प्रशासन व तहसील के अधिकारियों को भेज भी दी है।

योजना में शामिल गांव : बक्कास, सिकंदरपुर अमोलिया, सिद्धपुरा, परेहटा, रकीबाबाद, मोहारी खुर्द, मोहारी कला, खुजौली, भटवारा, सोनई कंजेहरा और पहाड़नगर टिकरिया। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि अधिग्रहण के समय जब जिलाधिकारी जमीन के मुआवजे की घोषणा करते हैं तो उस समय सारे मामले निस्तारित हो जाते हैं।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल का सीबीएसई परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

गाजियाबाद शिखर समाचार)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित होने पर शास्त्री नगर स्थित नेहरू वर्ल्ड स्कूल में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा तथा विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय के विज्ञान वर्ग में आराध्या भारद्वाज ने 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। कला वर्ग में सिद्धी जैन ने भी 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं वाणिज्य वर्ग में गीतिका गुप्ता ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।

विद्यालय प्रशासन के अनुसार 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 82 रही, जबकि 189 विद्यार्थियों ने विशेष योग्यता प्राप्त की। परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहने से विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

दो बच्चों की मां के प्यार में अंधा हुआ पति, पत्नी को जहर देकर उतारा मौत के घाट

उन्नाव, एजेंसी। उन्नाव जिले के बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के बाबूखेड़ा मगरायर गांव में रविवार रात पति ने अपनी पत्नी की जहर देकर हत्या कर दी। यह घटना अवैध संबंधों का विरोध करने पर हुई। इसके बाद घर से भाग गया। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने महिला का घर घेर लिया और हंगामा किया। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेने के साथ ही गांव के बाहर खेत से हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

बिहार थाना क्षेत्र के जगतखेड़ा निवासी कंधई लाल ने बताया कि उनकी बेटी आरती (40) निसंतान थी। दामाद गंगादीन के शादीशुदा पड़ोसी महिला से अवैध संबंध थे। आरती इन संबंधों का विरोध करती थी जिससे पति-पत्नी में आए दिन विवाद होता था। रविवार रात आरती ने पति को महिला के घर की तरफ से आते देखा तो झगड़ा हुआ। इसके बाद गंगादीन ने आरती को जहर दे दिया और मौके से भाग गया। सोमवार सुबह घर का दरवाजा बंद होने और किसी के बाहर न निकलने पर पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा तो आरती मृत पड़ी थी।

इस पर मायके वालों को सूचना दी। पिता कंधई लाल व अन्य परिजन मौके पर पहुंचे और कथित प्रेमिका का घर घेर लिया। सूचना पर सीओ मधुपनाथ मिश्रा, कोतवाल फोर्स के साथ पहुंचे और प्रेमिका को हिरासत में ले लिया। बाद में गंगादीन को भी खेत से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हत्यारोपी और उसकी कथित प्रेमिका को भी कोतवाली लाई। पिता ने पुलिस को बताया कि दामाद, उसकी तीन बहनें और प्रेमिका आरती को परेशान करती थीं। कई बार मारपीट भी की। रविवार की रात जहर देकर उसकी हत्या कर दी।

कोतवाल राजपाल ने बताया कि पिता की तहरीर पर हत्यारोपी पति गंगादीन, उसकी तीनों बहनों के साथ कथित प्रेमिका के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। शव का खेत में अंतिम संस्कार कर दिया गया है। हत्यारोपी पति और कथित प्रेमिका हिरासत में हैं। जांच की जा रही है।

दो बच्चों की मां है कथित प्रेमिका : गंगादीन की कथित प्रेमिका दो बच्चों की मां है। महिला का पति मुंबई में रहकर काम करता है। आरती की हत्या में पत्नी का नाम आने से वह परेशान है। उसे बदनामी के साथ बच्चों की परवरिश की चिंता सताने लगी है। घटना की सूचना मिलने के बाद वह मुंबई से घर के लिए निकल पड़ा है। उसे इस बात का विश्वास ही नहीं हो रहा कि जिस पत्नी और बच्चों के लिए वह इतनी दूर कमाने गया, वह उसके पीठ पीछे यह कृत्य कर रही होगी। महिला के जेल जाने से दो बच्चों की परवरिश का भार पिता पर आ जाएगा।

हंगामा कर रहे मायके वालों की पुलिस से भी हुई झड़प : मायके पक्ष से आई महिलाओं का हंगामा देख पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो वह पुलिस से ही उलझ गईं। पुलिस को जमकर खरी-खोटी सुनाई। मामला बढ़ता देख सूचना सीओ को दी गई तो उन्होंने खुद पहुंच मोर्चा संभाला और महिलाओं से बात कर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। मृतका की भाभी सुनीता और अन्य परिजनों का आरोप है कि पुलिस हत्यारोपियों से मिली हुई है। सीओ के भरोसा दिलाने के बाद सभी शांत हुईं।

सांसद ने कहा था- हम डरने वाले नहीं : पुतला फूंके जाने और विरोध की खबरों के बीच सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी के तेवर नरम नहीं पड़े हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि विरोधी लोग कुछ भी कर सकते हैं, उन्हें करने दें। हम डरने वाले नहीं हैं और सच्चाई बोलते रहेंगे। अगर भाजपा वाले मुकदमा लिखवाना चाहते हैं, तो लिखवा दें, इससे ज्यादा और क्या होगा।

तनावपूर्ण माहौल, पुलिस की नजर : महोबा में इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क है। भाजपा इस मामले को लेकर कानूनी रुख अख्तियार करने की तैयारी में है, जबकि सपा सांसद अपने रुख पर अड़े हुए हैं।

हाईवे पर काल बनी डीसीएम, खड़े वाहन में पीछे से मारी टक्कर, दो की मौत और तीन गंभीर घायल

कानपुर , एजेंसी। कन्नौज जिले में जसोदा कस्बे में अलीगढ़-कानपुर नेशनल हाईवे पर मंगलवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अडानी प्लांट के पास डीसीएम ने एक खड़ी पिकअप को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें एक की मौत मौके पर हो गई। दूसरे गंभीर घायल की मौत अस्पताल में हो गई। इस दुर्घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना रात करीब तीन बजे हुई। पिकअप में सवार लोग वाहन के पीछे बंधे एक जनरेटर को ठीक कर रहे थे। तभी पीछे से आ रही डीसीएम ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप पलट गई। हादसे में पीलीभीत जिले के पियास गोटिया, ललौरी खेरा निवासी निरंजन लाल पुत्र तुलाराम, जो पिकअप चालक थे, की मौके पर ही मौत हो गई। इसी गांव के गंगाराम (50) पुत्र तेजराम ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।पिकअप में सवार महेंद्र पाल पुत्र तुलाराम और कृष्ण कुमार पुत्र डोरी लाल, दोनों पियास गोटिया, ललौरी खेरा निवासी गंभीर रूप से घायल हो गए। डीसीएम चालक रामरतन यादव निवासी लखनऊ, आशियाना ट्रांसपोर्ट नगर भी घायल हुए हैं।

असंगठित श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए जिला प्रशासन और सम्यक कलेक्टिव गुड फाउंडेशन के बीच एमओयू

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)
असंगठित श्रमिकों एवं वंचित समुदायों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन गौतमबुद्धनगर और सम्यक कलेक्टिव गुड फाउंडेशन (सीजीएफ) के मध्य पांच वर्षों के लिए एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।
इस साझेदारी का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता कार्यक्रमों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन और संस्था के संयुक्त प्रयासों से स्वास्थ्य एवं कल्याण के क्षेत्र में अधिक समावेशी, सुलभ और समुदाय आधारित व्यवस्था विकसित की जाएगी।
योजना के तहत श्रमिक परिवारों की महिलाओं को चिकित्सा उपकरणों के उपयोग और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाएं साधिका यानी महिला स्वास्थ्य उद्यमी के रूप में कार्य करेंगी और अपने परिवार व समुदाय को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं निरंतर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएंगी। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिलेगा और

स्वास्थ्य उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।
कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने कहा कि असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत बनाने के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने इस पहल को संस्थागत समन्वय और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से श्रमिकों के सम्मान और कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।
इस अवसर पर जिलाधिकारी मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री सहित सम्यक कलेक्टिव गुड फाउंडेशन की ओर से डॉ. विभोर कुमार, लीड पब्लिक हेल्थ गरिमा सिंह, हेल्थ प्रबंधक नोएडा अरमान चौधरी, इंडिया क्लाइमेट एंड हेल्थ डेटा कैपेसिटी एक्सेलरेटर फेलो इप्सिता द्विवेदी, एएम कम्युनिकेशंस तथा एल्बिन मैथ्यू एएम साधिका मौजूद रहे।

यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की वेअरवेल इंडिया कंपनी में हुई संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)।
कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की वेअरवेल इंडिया कंपनी में सम्पन हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन (एनजीओ) की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुष को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके और उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे

प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तों / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

बकाया मानदेय को लेकर शिक्षा प्रेरकों का सांकेतिक धरना

बिजनौर (शिखर समाचार)
साक्षर भारत मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम लोक शिक्षा केंद्रों पर संविदा के आधार पर कार्यरत विकासखंड हल्दौर के शिक्षा प्रेरकों ने बुधवार को बकाया मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर खंड विकास अधिकारी कार्यालय हल्दौर पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रेरकों ने सरकार पर 18 माह का मानदेय लंबित रखने तथा उन्हें बेरोजगार करने का आरोप लगाया। धरना स्थल पर पहुंचे साक्षर भारत मिशन के उप सचिव, खंड शिक्षा अधिकारी हल्दौर एवं खंड विकास अधिकारी हल्दौर को प्रेरकों ने दो सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए बकाया मानदेय का भुगतान कराने तथा किसी अन्य विभाग में समायोजन किए जाने की मांग उठाई। धरने को संबोधित करते हुए प्रेरकों ने कहा कि भारत सरकार के साक्षरता, वैकल्पिक शिक्षा, उर्दू एवं प्राच्य भाषा विभाग द्वारा वर्ष 2009-10 में साक्षर भारत मिशन योजना लागू की गई थी। इसके अंतर्गत प्रत्येक ग्राम सभा में एक महिला एवं एक पुरुष प्रेरक की नियुक्ति कर 15 वर्ष से अधिक आयु

के निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने का दायित्व सौंपा गया था। प्रेरकों का आरोप है कि सरकार ने 31 मार्च 2018 को योजना बंद कर दी, जिससे जनपद बिजनौर के लगभग 2250 प्रेरक बेरोजगार हो गए। उन्होंने कहा कि प्रेरकों से मतदाता सूची संबंधी कार्य, घर-घर सर्वेक्षण तथा अन्य सरकारी योजनाओं में भी कार्य लिया गया, लेकिन इसके बावजूद 18 माह का मानदेय आज तक नहीं दिया गया। इससे प्रेरकों के परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। प्रेरक एकता कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष पुखराज सिंह मलिक ने कहा कि भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2017-18 में साक्षरता विभाग की लेखा जांच कराई गई थी। जांच दल ने अवशेष मानदेय भुगतान के लिए सत्यापन एवं प्रमाणित विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया था, लेकिन आठ वर्ष बीतने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया। जिला महामंत्री चौधरी ईशम सिंह ने मांग करते हुए कहा कि सरकार सभी साक्षरता कर्मियों का बकाया मानदेय एकमुश्त जारी करे तथा अनुभव के आधार पर किसी विभाग में समायोजित करे। यदि समायोजन संभव न हो तो बेरोजगार हुए साक्षरता कर्मियों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाए। ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता एवं बाबूराम आर्य के संचालन में आयोजित धरना प्रदर्शन में देवेंद्र सिंह, संदीप कुमार, शर्मिष्ठा, रेखा, सीमा, कविता, सुनीता, शीतल, किरण देवी, खुशीदा परवीन, विजेंद्र सिंह, विरेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार, हुकम सिंह, संसार सिंह, दिनेश कुमार, जगदेवगिरी, हुसैन अंसारी सहित सैकड़ों प्रेरक मौजूद रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की चारदीवारी व सौंदर्यीकरण की मांग

जेवर (शिखर समाचार)। आजाद समाज पार्टी कांशीराम व भीम आर्मी के विधिक प्रकोष्ठ ने बुधवार को गांव साबौता स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के चारदीवारी निर्माण एवं सौंदर्यीकरण की मांग को लेकर जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा।
विधिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष एडवोकेट संजीव सिंह के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी बुधवार को डीएम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग उठाई कि गांव साबौता में स्थापित बाबा साहब की प्रतिमा स्थल पर चारदीवारी का निर्माण कराया जाए तथा स्थल का सौंदर्यीकरण किया जाए, ताकि वहां आने वाले लोगों को बेहतर वातावरण मिल सके और प्रतिमा की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।
पदाधिकारियों ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर देश के संविधान निमार्ता एवं समाज सुधारक थे। ऐसे में उनकी प्रतिमा स्थल का सुव्यवस्थित और सुरक्षित होना आवश्यक है।
इस दौरान एडवोकेट रामकुमार, एडवोकेट बुद्ध घोष, एडवोकेट गौरव, एडवोकेट ओ.पी. मधुर, राजकुमार भाटी, दिनेश कुमार, सुनील, प्रमोद कुमार, रणजीत सिंह, संतोष कुमार, विजयपाल सिंह, चन्द्र सिंह, मुकेश कुमार, भागीरथ, राजेश कुमार, राजकुमार सिंह, करन सिंह, टिंकू और सुभाष फौजी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल का इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, 96 विद्यार्थियों ने प्राप्त किए 90 प्रतिशत से अधिक अंक

KINJAL JAISWAL
Percentage: 95%

RUTH MASSEY
Percentage: 92%

KUSHAGRA SINGHPercentage: 90.2%

RAJ GAUTAM
Percentage: 90%

गाजियाबाद। (शिखर समाचार)
विजयनगर स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल का केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2026 का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल बन गया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी सफलता का उत्सव मनाया।
विद्यालय के कुल 96 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय, अपने अभिभावकों तथा जनपद का नाम गौरवान्वित किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय प्रशासन ने इसे विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का परिणाम बताया।
विद्यालय की प्रधानाचार्य अंजू गौड़ ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनुशासन, नियमित अध्ययन और सकारात्मक सोच सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है और आगे भी इसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम देने का प्रयास जारी रहेगा।
विद्यालय के चेयरमैन जे के गौड़ ने विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। विद्यालय में आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसका सकारात्मक परिणाम विद्यार्थियों के प्रदर्शन में देखने को मिला है।
परीक्षा परिणाम आने के बाद विद्यालय में विद्यार्थियों और अभिभावकों का तांता लगा रहा। अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय ने बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान किया, जिसके चलते विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट सफलता हासिल की। विद्यालय के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

राजकुमार भाटी के बयान के विरोध में शव यात्रा निकाल पुतला दहन

दादरी (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी के विरोध में बुधवार शाम ब्राह्मण समाज का आक्रोश देखने को मिला। इस दौरान मुख्य तिराहे पर राजकुमार भाटी का पुतला दहन किया गया। ब्राह्मण समाज के लोग जीटी रोड स्थित गौड़ धर्मशाला पर एकत्र हुए, जहां से पैदल मार्च निकालते हुए राजकुमार भाटी की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली गई। इसके बाद मुख्य तिराहे पर पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान ह्लब्राह्मण एकता जिंदाबाद और राजकुमार भाटी मुर्दाबाद के नारों से नगर गूंज उठा। वरिष्ठ ब्राह्मण नेता पीतांबर शर्मा ने कहा कि यह लड़ाई किसी राजनीतिक दल, जाति, समाज या धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन शब्दों और विचारों के विरोध में है जो समाज में वैमनस्य फैलाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि राजकुमार भाटी द्वारा की गई टिप्पणी अशोभनीय है और ब्राह्मण समाज इसका कड़ा विरोध करता है। उन्होंने बताया कि विरोध को लेकर आगामी 15 मई को भगवान परशुराम धर्मशाला में सर्व समाज की महापंचायत आयोजित की जाएगी। इसमें सभी समाजों के लोगों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की गई है। इस अवसर पर पालिका परिषद चेयरमैन गीता पंडित, राजू पंडित, मांगेराम शर्मा, परमानंद शर्मा, उमेश पंडित, सोनू भगत, सुधीर वत्स, अशोक पंडित, संजय शर्मा, विजेंद्र शर्मा, लोकेश शर्मा, कपिल शर्मा, पंकज शर्मा और संदीप शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

ट्रांसफर से नाराज संविदा कर्मी ने शराब के नशे में काटी बिजली, हंगामा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के यीडा सिटी सेक्टर-28/32 स्थित बिजली उपकेंद्र पर मंगलवार रात बिजली कटौती को लेकर जमकर हंगामा हुआ। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरोप है कि संविदा कर्मचारी के ट्रांसफर से नाराज होकर बिजली आपूर्ति बाधित कर दबाव बनाने की कोशिश की गई। जानकारी के अनुसार दनकौर के एसडीओ अजय गुप्ता ने संविदा कर्मचारी सुरजीत का ट्रांसफर कर दिया था।

इसके बाद बिजली उपकेंद्र पर विवाद की स्थिति पैदा हो गई। आरोप है कि संविदा कर्मचारी शराब के नशे में उपकेंद्र पहुंचा और बिजली आपूर्ति के लिए लगाए गए फीडर को बंद कर दिया। इससे तिरथली, तनाजा, वीरमपुर, मुरादगढ़ी, नगला हुकम सिंह, नगला जहानू और नगला भाटौना समेत कई गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। अचानक बिजली गुल होने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग बिजलीघर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति बाधित होने पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की। मौके पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा। रात करीब 10:30 बजे सूचना मिलने पर पुलिस और विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया, जिसके बाद बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। विद्युत विभाग ने मामले की जांच कराने की बात कही है। प्रभारी निरीक्षक श्याम बाबू शुक्ल ने बताया कि बिजलीघर पर हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। ग्रामीणों को शांत कराकर बिजली आपूर्ति सुचारू करा दी गई है।

जमीन में फजीर्वाड़ा कर नाम दर्ज कराने का आरोप, डीएम से शिकायत

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव शमशम नगर के कुछ लोगों ने दो व्यक्तियों पर जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी से अपने नाम कराने का आरोप लगाया है। पीड़ितों का कहना है कि शिकायत करने पर आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामले में पीड़ितों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। गांव शमशम नगर निवासी दुर्गेश कौशिक ने बताया कि उनकी दादी रूपवती के नाम गांव भगवंतपुर में 0.5330 हेक्टेयर जमीन दर्ज है, जिसके कई वारिस हैं। आरोप है कि दो लोगों ने फजीर्वाड़ा कर धोखाधड़ी के माध्यम से सभी वारिसों के नाम हटवाकर जमीन अपने नाम दर्ज करा ली। पीड़ितों का कहना है कि जब उन्हें इस मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने आरोपियों से इसका विरोध किया। आरोप है कि इस पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए किसी से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। इससे परिवार भयभीत है। पीड़ितों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तथा जान-माल की सुरक्षा की मांग की है।

सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर, गंभीर घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी रोड पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार बाइक सवार युवक ने सड़क पार कर रहे एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार देवेंद्र पुरी कॉलोनी निवासी शोभन सिंह बुधवार सुबह निवाड़ी रोड स्थित पुलिस चौकी के सामने सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान राज चौक की ओर से तेज गति से आ रही एक बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शोभन सिंह कई फुट दूर जाकर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का वीडियो भी आसपास के क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

महिला के साथ दुष्कर्म के प्रयास का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर अब आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बताया गया है कि दो दिन पहले एक महिला अपने चार वर्षीय बच्चे के साथ घर में अकेली थी। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला एक व्यक्ति जबरन उसके घर में घुस आया और महिला के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने महिला के साथ मारपीट भी की। महिला के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद महिला डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी के कार्यालय पहुंची और पूरी घटना की जानकारी दी। अधिकारी के निर्देश पर अब पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी प्रदीप नेहरा के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ब्राह्मण समाज के उत्थान एवं जनजागरण पर हुई बैठक, सपा प्रवक्ता के प्रति जताया रोष

मुरादनगर (शिखर समाचार)।
अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में ग्राम नगला फिरोज मोहनपुर स्थित पंडित प्रेमचंद शास्त्री के आवास पर ब्राह्मण समाज के उत्थान एवं जनजागरण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जगदीश दत्त ने की, जबकि संचालन नगर महामंत्री यतिदेव शर्मा ने किया।
बैठक में संगठन विस्तार और समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने आर्थिक रूप से कमजोर बालक बालिकाओं को शिक्षा के लिए सहयोग देने का आह्वान किया। वहीं निर्धन ब्राह्मण परिवारों की कन्याओं के विवाह हेतु कन्यादान समृद्धि योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रस्ताव जिला अध्यक्ष द्वारा

पारित किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय परशुराम सेवादल के अध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी से समाज में गहरा आक्रोश है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मांग करते हुए कहा कि राजकुमार भाटी को राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से तत्काल हटाया जाए। उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल से 19 मई तक भगवान परशुराम जन्मोत्सव देशभर में महायज्ञ, शोभायात्रा और महासम्मेलनों के माध्यम से मनाया जा रहा है। यज्ञों के जरिए प्राणिमात्र के कल्याण, राष्ट्र की उन्नति, पर्यावरण शुद्धि और विश्व शांति की कामना की जा रही है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः की भावना का समर्थक रहा है।
इस अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण भी किया गया। नगर अध्यक्ष सोमदत्त शर्मा ने बताया कि मुरादनगर क्षेत्र में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से अधिक से अधिक ब्राह्मण परिवारों को संगठन से जोड़ा जा रहा है। बैठक में ओमपाल शर्मा, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, यश शर्मा, जयदत्त शर्मा, प्रेमचंद शास्त्री, प्रमोद कौशिक, शिवशंकर शर्मा, कैप्टन संजय शर्मा, सतीश शर्मा, मनोहर लाल शर्मा, कर्मवीर शर्मा और पंडित विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने शाहबेरी स्थित कंपोजिट शॉप नंबर-1 का किया औचक निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी ने बुधवार को शाहबेरी स्थित क्रॉसिंग रोड, ग्रेटर नोएडा में संचालित कंपोजिट शॉप नंबर-1 का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लाइसेंस संबंधी अभिलेख, निर्धारित मूल्य सूची, सीसीटीवी व्यवस्था, पीओएस मशीन के माध्यम से की जा रही बिक्री तथा शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित व्यवस्थाओं की गहनता से जांच की गई।
जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दुकान पर सभी व्यवस्थाएं शासन की गाइडलाइन के अनुरूप सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संचालित की जाएं। उन्होंने कहा

कि सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग लगातार चालू रहे तथा पीओएस मशीन के माध्यम से शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित की जाए।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ओवररेटिंग के मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों और विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर मदिरा की बिक्री किसी भी स्थिति में न की जाए। साथ ही सभी दुकानों पर मूल्य सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने और उपभोक्ताओं से निर्धारित दरों पर ही बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

दूध की बढ़ती कीमतें और महंगाई की नई आहट जलवायु न्याय

देशभर में 14 मई 2026 से दूध की कीमतों में प्रति लीटर दो रुपये की बढ़ोतरी ने आम आदमी की रसोई से लेकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तक एक नई बहस को जन्म दे दिया है। देश की सबसे बड़ी डेयरी ब्रांडों में शामिल अमूल द्वारा दाम बढ़ाने की घोषणा के बाद यह सवाल तेजी से उठने लगा है कि क्या यह केवल दूध तक सीमित रहने वाला मामला है या फिर आने वाले दिनों में पेट्रोल, डीजल, खाद्य तेल, सब्जियों और रोजमर्रा की अन्य वस्तुओं की कीमतों में भी नई बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। महंगाई पहले से ही आम जनता की कमर तोड़ रही है और ऐसे समय में दूध जैसी आवश्यक वस्तु का महंगा होना केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय भी बन गया है।

दूध भारतीय परिवारों की दैनिक जरूरत का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। बच्चे, बुजुर्ग, मरीज और कामकाजी वर्ग सभी किसी न किसी रूप में दूध पर निर्भर हैं। ऐसे में कीमतों में यह वृद्धि सीधे हर घर के बजट को प्रभावित करेगी। कंपनियों का तर्क है कि पशु आहार, पैकेजिंग, परिवहन और ऊर्जा लागत में लगातार वृद्धि के कारण यह फैसला लेना आवश्यक हो गया था। बीते कुछ महीनों में पशुओं के चारे की कीमतों में लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा डीजल के बढ़े हुए खर्च और सप्लाई चेन की लागत ने डेयरी उद्योग पर अतिरिक्त दबाव बनाया है। डेयरी कंपनियों का कहना है कि यदि कीमतें नहीं बढ़ाई जातीं तो किसानों को उचित भुगतान करना मुश्किल हो जाता और इसका सीधा असर दुग्ध उत्पादन पर पड़ता।

लेकिन असली चिंता इस बढ़ोतरी के दूरगामी प्रभावों को लेकर है। भारत की अर्थव्यवस्था में दूध केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं बल्कि महंगाई के संकेतक के रूप में भी देखा जाता है। जब दूध महंगा होता है तो उसका असर मिठाई, दही, घी, पनीर, चाय और होटल रेस्तरां उद्योग तक पहुंचता है। छोटे दुकानदारों और चाय विक्रेताओं के सामने लागत बढ़ने की चुनौती खड़ी हो जाती है। पहले से कम होती आमदनी और बढ़ते खर्च के बीच मध्यम वर्ग तथा गरीब परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है। इस समय देश में आर्थिक स्थिति कई मोर्चों पर दबाव में दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल के दिनों में फिर हलचल देखी जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के कारण तेल कंपनियां सतर्क हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की संभावना बढ़ जाती है। पेट्रोल डीजल महंगे होने का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ता है और फिर हर वस्तु धीरे धीरे महंगी होने लगती है। दूध की मौजूदा बढ़ोतरी को इसी व्यापक आर्थिक परिदृश्य में देखा जा रहा है।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ किसानों और उद्योगों के हितों का संतुलन कैसे बनाए। डेयरी क्षेत्र देश के करोड़ों किसानों की आय का प्रमुख स्रोत है। यदि किसानों को उचित मूल्य नहीं मिलेगा तो उत्पादन प्रभावित होगा और भविष्य में संकट और गहरा सकता है। दूसरी ओर उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति लगातार कमजोर हो रही है। शहरों में नौकरीपेशा वर्ग पहले ही मकान किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली बिल की बढ़ती लागत से परेशान है। गांवों में भी खेती की लागत बढ़ने से आमदनी पर दबाव है। ऐसे में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बार-बार बढ़ोतरी सामाजिक असंतोष को जन्म दे सकती है।

~ मौलिक चिंतन ~

प्रयास अगर जिताता नहीं है,
तब भी सिखाता तो जरूर है।

© विनय संकोची

क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या हल हो जायेगी?

सौरभ वार्ष्णेय

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट हर वर्ष लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। ऐसे में यदि परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, पेपर लीक या धांधली की आशंका सामने आती है, तो छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश स्वाभाविक है। इसी संदर्भ में यह सवाल उठ रहा है कि क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या का समाधान हो जाएगा? या इस पर केंद्र सरकार कड़ी कार्रवाई करते हुए ऐसे सिस्टम के नकारा लोगों पर हंटर चलायेगी जिससे इस लीक माफिया पर ऐसा करना भूल जायें।

पहली दृष्टि में पुनर्परीक्षा एक न्यायसंगत कदम प्रतीत होता है। जिन छात्रों ने ईमानदारी से मेहनत की और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया, उनके लिए दोबारा परीक्षा एक अवसर बन सकती है। इससे यह संदेश भी जाएगा कि सरकार और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्षता के प्रति गंभीर हैं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लेकिन समस्या केवल पुनर्परीक्षा तक सीमित नहीं है। यदि व्यवस्था की खामियां जस की तस बनी रहती हैं, तो दोबारा परीक्षा भी नए विवादों को जन्म दे सकती है। लाखों छात्रों पर मानसिक दबाव, अतिरिक्त आर्थिक बोझ और तैयारी की अनिश्चितता का प्रभाव पड़ता है। कई विद्यार्थी पहले ही अत्यधिक तनाव में रहते हैं; पुनर्परीक्षा उनकी मानसिक स्थिति को और कठिन बना सकती है।

असल प्रश्न यह है कि बार-बार परीक्षा कराने की नौबत क्यों आती है? जब तक परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, प्रश्नपत्र की गोपनीयता, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और जवाबदेही मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल पुनर्परीक्षा स्थायी समाधान नहीं बन सकती। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा संचालन में आधुनिक तकनीक, सख्त निगरानी और पारदर्शी जांच व्यवस्था लागू की जाए।

साथ ही, दोषियों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है। यदि पेपर लीक या भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण मिलता रहेगा, तो छात्रों का विश्वास लगातार कमजोर होगा। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बनाए रखना किसी भी लोकतंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

यदि व्यापक स्तर पर अनियमितता सिद्ध होती है तो पुनर्परीक्षा आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। वास्तविक समाधान परीक्षा प्रणाली में सुधार, जवाबदेही तय करने और छात्रों के विश्वास को पुनर्स्थापित करने में निहित है। केवल परीक्षा दोबारा कराने से नहीं, बल्कि व्यवस्था को ईमानदार और मजबूत बनाने से ही भविष्य सुरक्षित होगा।

नीट पेपर लीक करने वालों पर कार्रवाई कब?

लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की मेहनत पर पानी फेरने वाले पेपर लीक गिरोहों के खिलाफ आखिर ठोस कार्रवाई कब होगी, यह सवाल आज पूरे देश में गूंज रहा है। हर वर्ष परीक्षा के बाद पेपर लीक, धांधली और नकल माफिया की खबरें सामने आती हैं, लेकिन कार्रवाई की गति इतनी धीमी रहती है कि लोगों का भरोसा व्यवस्था पर कमजोर पड? लगता है।सरकार और जांच एजेंसियां दावा करती हैं कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कई राज्यों में गिरफ्तारियां भी हुई हैं, कुछ कोचिंग सेंटरों और दलालों पर छापेमारी भी हुई। लेकिन असली चिंता यह है कि क्या केवल छोटे एजेंटों को पकड़ लेने से समस्या खत्म हो जाएगी? जब तक इस पूरे नेटवर्क के बड़े सरगनाओं, भ्रष्ट अधिकारियों और तकनीकी मिलीभगत करने वालों तक जांच नहीं पहुंचेगी, तब तक ऐसे अपराध रुकना मुश्किल है।पेपर लीक केवल एक परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। एक मेहनती छात्र वर्षों तक तैयारी करता है, जबकि कुछ लोग पैसे और पहुंच के दम पर व्यवस्था को कमजोर कर देते हैं। इससे प्रतिभाशाली छात्रों का मनोबल टूटता है और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।जरूरत केवल कार्रवाई की घोषणा करने की नहीं, बल्कि त्वरित और उदाहरण प्रस्तुत करने वाली सजा देने की है। यदि पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बनें, डिजिटल सुरक्षा मजबूत हो, परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बने और दोषियों की संपत्ति जब्त करने जैसे कठोर कदम उठाए जाएं, तभी वास्तविक डर पैदा होगा। सरकार को यह समझना होगा कि युवाओं का विश्वास किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर लगातार प्रश्न उठते रहे, तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं, बल्कि देश की प्रतिभा और भविष्य दोनों के लिए गंभीर खतरा बन जाएगा।

ईरानी विमानों को अपने यहाँ छिपा कर पाकिस्तान ने उतार दिया 1971 का कर्ज

नीरज कुमार दुबे

1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान जब भारतीय हमलों से बचाने के लिए ईरान ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों और संसाधनों को सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराया था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि पांच दशक बाद पाकिस्तान उसी एहसान का बदला चुकाता दिखाई देगा। अब आरोप लग रहे हैं कि अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई और क्षेत्रीय तनाव के बीच पाकिस्तान ने ईरानी विमानों को अपने सैन्य ठिकानों पर सुरक्षित शरण दी। इस तरह इस्लामाबाद ने तेहरान का पुराना कर्ज तो उतार दिया है लेकिन अब वह खुद संकट में फंसता दिखाई दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की जटिल कूटनीतिक राजनीति को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि इस तरह के दावे वास्तविकता से परे हैं, क्योंकि नूर खान वायुसेना अड्डा राजधानी के अत्यंत व्यस्त और आबादी वाले हिस्से में स्थित है। पाकिस्तान का कहना है कि वहां किसी भी बड़े सैन्य बेडे या विमानों को छिपाकर रखना संभव ही नहीं है। दूसरी ओर अमेरिकी प्रशासन ने भी अब तक सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है, जिससे स्थिति और अधिक जटिल दिखाई दे रही है।

सूत्रों के अनुसार ईरान ने संभावित खतरे को देखते हुए अपने कुछ नागरिक विमानों को पड़ोसी अफगानिस्तान की ओर भेजा। अफगान नागरिक उड्डयन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि महान एयर का एक विमान संघर्ष तेज होने से पहले काबुल पहुंचा था और बाद में सुरक्षा कारणों से उसे हेरात स्थानांतरित कर दिया गया। बताया गया कि अफगान क्षेत्र में पाकिस्तानी हवाई हमलों की खबरों के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि काबुल हवाई अड्डा भी संभावित निशाना बन सकता है। इन घटनाओं ने दक्षिण एशिया के जानकारों को 1971 के दौर की याद दिला दी है। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी के नेतृत्व वाला ईरान पाकिस्तान का प्रमुख समर्थक बनकर सामने आया था। तेहरान ने इस्लामाबाद को हेलिकाप्टर, ईंधन, गोला बारूद और सैन्य उपकरणों के कलपुर्जे उपलब्ध कराए थे। कई रिपोर्टों में यह भी उल्लेख मिलता है कि पाकिस्तान के कुछ सैन्य विमानों ने ईरानी वायुसेना अड्डों पर शरण ली थी।

बाद में सार्वजनिक हुए अमेरिकी दस्तावेजों से पता चला था कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन प्रशासन ने पर्दे के पीछे ईरान को पाकिस्तान की सहायता के लिए प्रोत्साहित किया था। उस दौर में अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान को कमजोर होने से बचाना चाहते थे। शीत युद्ध के समय ईरान और पाकिस्तान दोनों सोवियत विरोधी सैन्य गठबंधन सेन्टो के सदस्य थे और निक्सन प्रशासन इन्हें क्षेत्र में सोवियत प्रभाव को रोकने वाले महत्वपूर्ण साझेदार मानता था।

पांच दशक बाद वैश्विक राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। आज ईरान अमेरिका का प्रमुख पश्चिम एशियाई प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, जबकि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में चीन का सबसे करीबी सुरक्षा सहयोगी बन चुका है। चीन ने हाल के समय में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष संपर्क स्थापित कराने में पाकिस्तान की भूमिका की सार्वजनिक सराहना भी की है। इस बदलती परिस्थिति में पाकिस्तान का संतुलन साधना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

पाकिस्तान एक ओर चीनी सैन्य उपकरणों पर अत्यधिक निर्भर है। रिपोर्टों के अनुसार 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के प्रमुख हथियार आयात का लगभग अस्सी प्रतिशत हिस्सा चीन से आया। वहीं दूसरी ओर इस्लामाबाद अमेरिका के साथ अपने सैन्य और खुफिया संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिश भी कर रहा है, जो बराक ओबामा प्रशासन के दौरान काफी कमजोर पड़ गए थे।

पाकिस्तानी अधिकारी लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि तेहरान के साथ उनके संबंध किसी गुप्त सैन्य सहयोग की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता के लिए रचनात्मक कूटनीति का हिस्सा हैं। पाकिस्तान समय समय पर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश भी करता रहा है। उसका दावा है कि दोनों देशों के साथ कार्यकारी संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता क्षेत्रीय तनाव कम करने में सहायक हो सकती है।

इसके बावजूद अमेरिकी सुरक्षा प्रतिष्ठान के एक प्रभावशाली हिस्से में पाकिस्तान को लेकर संदेह अब भी गहराई से मौजूद है। अल कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन की पाकिस्तान में मौजूदगी की स्मृति आज भी अमेरिका पाकिस्तान संबंधों पर भारी पड़ती है। अमेरिकी अधिकारी और सांसद लंबे समय से पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था के कुछ तत्वों पर इस्लामी उग्रवादी संगठनों के साथ चयनात्मक संबंध रखने के आरोप लगाते रहे हैं, हालांकि पाकिस्तान इन आरोपों को लगातार नकारता आया है।

ताजा आरोपों ने अमेरिकी संसद में भी नई बहस छेड़ दी है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान द्वारा ईरान को सैन्य सहायता या शरण देने की खबरें सही साबित होती हैं, तो अमेरिका को ईरान और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थ के रूप में इस्लामाबाद की भूमिका का पूरी तरह पुनर्मूल्यांकन करना पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की राजनीति में पुराने रिश्ते, सामरिक हित और बदलते वैश्विक गठबंधन आज भी गहराई से प्रभाव डाल रहे हैं।

बहरहाल, विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान पर आंख मूंदकर भरोसा करना अमेरिका सहित कई देशों के लिए पहले भी भारी पड़ चुका है। हाल के वर्षों में अमेरिकी रणनीतिक और सुरक्षा रिपोर्टों में भी यह संकेत दिया गया था कि पाकिस्तान की नीतियां भविष्य में अमेरिका के लिए प्रत्यक्ष चुनौती बन सकती हैं। कुछ विश्लेषणों में पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को भी ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा गया है जिनके फैसले क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ा सकते हैं और अमेरिकी हितों के लिए संकट खड़ा कर सकते हैं। यही कारण है कि वाशिंगटन में यह राय मजबूत होती जा रही है कि पाकिस्तान के साथ किसी भी सामरिक या कूटनीतिक साझेदारी में अमेरिका को अत्यंत सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी।

मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है।

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के

दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज–मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फपंजाबी वर्सायफ के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं। महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़–पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ–साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

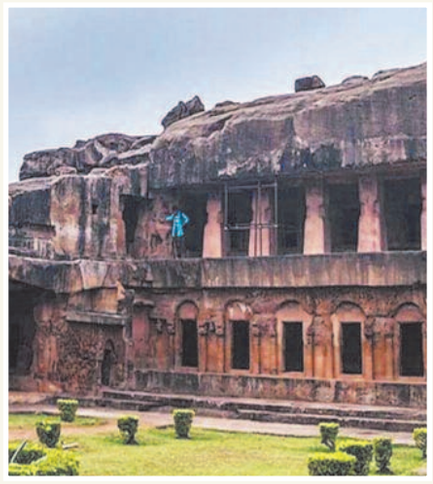

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

लाइसेंस राज होगा खत्म, सरकार लाएगी अगली पीढ़ी के बड़े सुधार- नीति आयोग

अनावश्यक परमिट व निरीक्षण होंगे खत्म, 42,000 से अधिक अनुपालन समाप्त

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के एक सदस्य ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सम्मेलन में घोषणा की कि सरकार लाइसेंस राज के नए अवतारों को समाप्त करने और व्यापार सुगमता के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 1991 के सुधारों ने औद्योगिक लाइसेंसिंग को खत्म किया, लेकिन लाइसेंस राज को नहीं। आज किसी भी कारोबार के लिए आवश्यक हर अनावश्यक परमिट लाइसेंस राज का ही एक रूप है। सरकार अब जब तक मना न हो तब तक अनुमति है के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगी। सुधारों का उद्देश्य नियामक हस्तक्षेप से व्यवस्था को मुक्त करना है। इसके तहत, लाइसेंसिंग की आवश्यकता केवल राष्ट्रीय सुरक्षा या गंभीर स्वास्थ्य/पर्यावरण खतरों वाली गतिविधियों के लिए होनी चाहिए, और स्वचालित स्वतः पंजीकरण सामान्य नियम होगा। उन्होंने यह भी सुझाया कि आवश्यक लाइसेंस की वैधता स्थायी या लंबी अवधि की होनी चाहिए और बार-बार नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के भुगतान संतुलन पर बढ़ा दबाव

तेल कंपनियों के भारी नुकसान और पर्याप्त ईंधन भंडार पर दिया जोर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संकट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक वास्तविक दबाव परीक्षण है, जिसका भुगतान संतुलन, मुद्रास्फीति और चालू खाते पर सीधा असर पड़ रहा है। यह बात वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने आज कही। उन्होंने इस स्थिति को अस्थायी नहीं बल्कि ढांचागत बताया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में नागेश्वरन ने कहा कि चालू खाते का विश्वसनीय प्रबंधन, वित्तपोषण और विनिमय दर में गिरावट रोकना वित्त वर्ष 2026-27 की प्रमुख आर्थिक अनिवार्यताएं होंगी। उन्होंने बताया कि यह संकट दुनिया के अहम ऊर्जा गलियारों में लगातार आ रही रुकावट का नतीजा है। अधिकतर अर्थशास्त्रियों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत के चालू खाते के घाटे का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद के 1.5 फीसदी से 2.4 फीसदी तक बढ़ा दिया है। हालांकि, भारत की मजबूत राजकोषीय नीति और बुनियादी ढांचा निवेश मौजूदा संघर्ष से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। एक अलग सत्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया कि ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन किसी भी बढ़ोतरी का फैसला चुनावों से जुड़ा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को प्रतिदिन 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिससे इस तिमाही में उनकी अंडर-रिकवरी 2 लाख करोड़ रुपये और नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह नुकसान पिछले साल के पूरे मुनाफे को खत्म कर सकता है। हालांकि, पुरी ने आश्वस्त किया कि भारत के पास पर्याप्त ईंधन भंडार है, जिसमें 60 दिनों का कच्चा तेल, 60 दिनों की एलएनजी और 45 दिनों की एलपीजी शामिल है। देश में एलपीजी उत्पादन भी संघर्ष-पूर्व स्तर से बढ़कर 54,000 टन प्रतिदिन हो गया है।

कोल इंडिया करेगी वैश्विक खनिज का विस्तार

सरकारी कंपनी महत्वपूर्ण खनिजों की पूरी मूल्य श्रृंखला संभालेगी

नई दिल्ली ।

सरकारी खनन दिग्गज कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) अपने पारंपरिक कोयला कारोबार से आगे बढ़कर वैश्विक महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में एक बड़ी तैयारी कर रही है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में चिली और सिंगापुर में सहायक इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसका लक्ष्य लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे रणनीतिक खनिजों में अवसरों की तलाश करना है। सीआईएल कध्कि अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने चिली में एक लीथियम ब्लॉक की पहचान की है और वह चिली सरकार की अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रही है। मंजूरी मिलने पर, अगले 2-3 वर्षों में वहां खनन कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही इस सप्ताह की शुरुआत से ही जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। बाजार में बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने 74,134.48 का निचला और 75,191.57 का ऊपरी स्तर छुआ जिससे उतार-चढ़ाव का अंदाज होता है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.05 अंक ऊपर आकर 23,412.60 अंक पर बंद हुआ। बाजार में मेटल, ऑयल एंड गैस सेक्टर में खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी और ऑटो शेयर दबाव में रहे।

सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, इटरनल, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस और मारुति सहित 16 शेयर नीचे आये जबकि एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.37 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, बीईएल, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, इंडिगो, आईटीसी और ट्रेंट के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी से शुरुआत हुई। सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 74,586 के स्तर पर और निफ्टी 23,468 के आसपास कारोबार करते दिखे।

ब्लैक बॉक्स ने 2एस इनोवाकोएस का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली ।

एस्सार ग्रुप की आईटी कंपनी ब्लैक बॉक्स ने बुधवार को ब्राजील स्थित सिस्टम इंटीग्रेटर 2एस इनोवाकोएस टेक्नोलॉजियास एसए के अधिग्रहण को पूरा करने की घोषणा की। कंपनी को उम्मीद है कि इस अधिग्रहण से उसके वार्षिक राजस्व में 500 करोड़ रुपए का इजाफा होगा, जो वैश्विक विकास और लातिन अमेरिकी बाजार में उसकी स्थिति को मजबूत करेगा। ब्लैक बॉक्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस सौदे को कंपनी की वैश्विक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिग्रहण उच्च-विकास वाले लातिन अमेरिकी बाजार में ब्लैक बॉक्स की रणनीतिक उपस्थिति को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि इस सौदे से कंपनी को करीब 500 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व हासिल होने की उम्मीद है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति में भी सुधार आएगा। यह विस्तार ब्लैक बॉक्स को उभरते बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद करेगा।

भारत में डीएपी खाद 40 फीसदी हुई महंगी, किसानों पर बढ़ा बोझ

उर्वरक की कीमतों में भारी उछाल, सरकार पर सब्सिडी बढ़ाने का दबाव

मुंबई ।

मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय कृषि पर दिखने लगा है। देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण उर्वरक डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की खरीद लगभग 40 प्रतिशत अधिक कीमत पर करनी पड़ रही है, जिससे मानसून से पहले किसानों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। फरवरी में करीब 667 डॉलर प्रति टन मिलने वाला डीएपी अब भारत को 930 से 935 डॉलर प्रति टन की दर से खरीदना पड़ रहा है। इंडियन पोटाश लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए कुल 13 लाख टन से अधिक डीएपी खरीदने का समझौता किया है। इस भारी मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित आपूर्ति बाधा है, क्योंकि फॉस्फेट उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले सल्फर की बड़ी आपूर्ति इसी क्षेत्र से होती है। उर्वरकों की बढ़ती कीमत सीधे खेती की लागत बढ़ाएगी। यदि सरकार सब्सिडी में पर्याप्त वृद्धि नहीं करती है, तो धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को बड़ा झटका लगेगा। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में लगभग 25 लाख टन यूरिया भी दोगुनी कीमत पर खरीदा है। यदि उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में आटा, चावल और दाल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे आम उपभोक्ता भी प्रभावित होगा। हालांकि, अंतिम प्रभाव सरकारी सब्सिडी और वैश्विक हालात पर निर्भर करेगा।

एआई की चुनौतियों के बीच आईटी कंपनियों का शेयरधारकों को रिकॉर्ड भुगतान

वित्त वर्ष 2026 में 1.3 लाख करोड़ रुपये के लाभांश और पुनर्खरीद की घोषणा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इटेलिजेंस (एआई) के विकास से पारंपरिक कारोबार को संभावित खतरे और धीमी मुनाफा वृद्धि के बावजूद, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग अपने शेयरधारकों पर जमकर मेहरबान हुआ है। देश की शीर्ष 16 सूचीबद्ध आईटी कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड 1.3 लाख करोड़ रुपये के लाभांश और शेयर पुनर्खरीद की घोषणा की है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 के कुल भुगतान से 36.3 फीसदी अधिक है, जो पिछले 9 सालों में सबसे तेज वृद्धि दर्शाता है। यह भारी-भरकम भुगतान मुख्य रूप से शेयर पुनर्खरीद के कारण संभव हुआ है, जिसमें इन्फोसिस और विप्रो की भूमिका अहम रही है। इन्फोसिस ने नवंबर में 18,000 करोड़ रुपये की अपनी सबसे बड़ी पुनर्खरीद पूरी की, जबकि विप्रो ने 15,000 करोड़ रुपये की पुनर्खरीद की घोषणा की है। कुल मिलाकर, आईटी उद्योग ने वित्त वर्ष 2026 में पुनर्खरीद पर 33,895 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की है, जो वित्त वर्ष 2024 के बाद दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके विपरीत, इक्विटी लाभांश भुगतान में केवल 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि हुई है। यह रिकॉर्ड भुगतान ऐसे समय में आया है जब वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों का शुद्ध मुनाफा केवल 3.5 फीसदी बढ़ा, जो बीते आठ साल में सबसे धीमी वृद्धि है। हालांकि, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने डेटा सेंटर और एआई कारोबार में निवेश की योजना के तहत अपने लाभांश भुगतान में 12.7 फीसदी की कटौती की है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि कंपनियां भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहते हुए भी शेयरधारकों को पुरस्कृत करने को प्राथमिकता दे रही हैं।

सोने पर शुल्क वृद्धि से तस्करी बढ़ेगी, निर्यात घटेगा जीजेईपीसी

आयात शुल्क बढ़ने पर उद्योग ने जताई आपत्ति, कहा- एमएसएमई पर पड़ेगा गंभीर असर

नई दिल्ली ।

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार द्वारा सोने, चांदी और प्लेटिनम पर आयात शुल्क में की गई हालिया वृद्धि का कड़ा विरोध किया है। परिषद ने बुधवार को कहा कि यह कदम न केवल कीमती धातुओं की कीमतें बढ़ाएगा, बल्कि तस्करी को बढ़ावा देगा और देश के निर्यात कारोबार के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को गंभीर नकदी संकट में धकेल देगा। जीजेईपीसी ने सरकार से इस मुद्दे पर उद्योग के हितधारकों के साथ तत्काल बातचीत कर एक स्थायी समाधान खोजने की अपील की है। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है, जबकि प्लेटिनम पर यह कर 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 15.4 प्रतिशत हो गया है।

जीजेईपीसी ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अतीत में यह देखा गया है कि आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है; इसके बजाय यह केवल कीमतें बढ़ाता है। परिषद ने इस बात पर जोर दिया कि हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में कम नहीं हुआ है। जीजेईपीसी ने आशंका जताई है कि उच्च शुल्क से तस्करी को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात की लागत में वृद्धि होगी। परिषद के अनुसार, निर्यातकों को अब नामित एजेंसियों से शुल्क-मुक्त सोना लेने पर प्रति किलोग्राम 28-30 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी पड़ रही है, जिससे उनकी कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस निर्णय का सबसे गंभीर असर एमएसएमई विनिर्माताओं पर पड़ेगा, जो परिषद के 80 प्रतिशत सदस्य हैं और पहले से ही गंभीर नकदी संकट का सामना कर रहे हैं। सरकार के इस फैसले पर परिषद ने प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और विनिर्माताओं के साथ बैठकें की हैं। जीजेईपीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सोने के आयात को नियंत्रित करने के वैकल्पिक उपाय भी सुझाए हैं। परिषद ने सरकार से आग्रह किया है कि वह राजकोषीय लक्ष्यों को निर्यात वृद्धि के साथ संतुलित करने वाले स्थायी समाधानों पर विचार-विमर्श के लिए उद्योग के साथ बातचीत करे, ताकि यह महत्वपूर्ण क्षेत्र प्रभावित न हो।

सोने-चांदी पर बढ़ाई सरकार ने कस्टम ड्यूटी

सोने-चांदी के आभूषण 15 फीसदी महंगे

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने सोने-चांदी और ज्वेलरी से जुड़े आयातित सामानों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, सोने-चांदी से संबंधित कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क 4.35 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। वहीं, आभूषण निर्माण में इस्तेमाल होने वाले छोटे पार्ट्स और फाइंडिंग्स पर 5 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा। सरकार के इस फैसले के बाद विदेशों से आने वाला सोना-चांदी और ज्वेलरी का कच्चा माल महंगा हो जाएगा। इसका असर बाजार में आभूषणों की कीमतों पर भी देखने को मिल सकता है। व्यापारियों के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी के आभूषण करीब 15 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं।

सरकारी बैंकों का वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ का मुनाफा

एसबीआई समेत प्रमुख बैंकों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, एनपीए में भी ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन 12 सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.12 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार चौथा वित्त वर्ष है जब सरकारी बैंकों ने मुनाफा कमाकर अपनी वित्तीय स्थिरता और क्षमता का प्रदर्शन किया है।

वित्त मंत्रालय ने इस उपलब्धि को बेहतर कारोबारी विस्तार और सुधरी हुई परिसंपत्ति गुणवत्ता का परिणाम बताया है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, सरकारी बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 1.78 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें अब और भी बढ़ोतरी हुई है। यह लाभप्रदता का सिलसिला वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये के लाभ के साथ शुरू हुआ था और लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के सबसे बड़े बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), ने वित्त वर्ष 2026 में अभी तक का सर्वाधिक शुद्ध सालाना लाभ 80,032 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा ने 20,021 करोड़ रुपये और पंजाब नेशनल बैंक ने 16,904 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। मंत्रालय ने बताया कि यह मजबूत वित्तीय प्रदर्शन निरंतर व्यावसायिक वृद्धि, बेहतर संपत्ति गुणवत्ता, रिकॉर्ड लाभप्रदता और मजबूत पूंजी स्थिति का प्रतीक है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी से बढ़ती ऋण जरूरतों को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मजबूती प्रदर्शित होती है। देश के 12 सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

वित्त मंत्रालय ने बयान में बताया कि सरकारी बैंक लगातार चौथे साल लाभप्रदता में रहे। सरकारी बैंकों की लाभप्रदता सालाना आधार 11.12 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में इनकी लाभप्रदता 1.78 लाख करोड़ रुपये थी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 24 में 1.41 लाख करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 23 में 1.04 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

पाम तेल की अगुवाई में भारत का वनस्पति तेल आयात 13 फीसदी उछला

तेल वर्ष की पहली छमाही में 79.4 लाख टन पहुंचा आयात

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल उपभोक्ता भारत का वनस्पति तेल आयात तेल वर्ष 2025-26 के पहले छह महीनों (नवंबर-अप्रैल) में 13 प्रतिशत बढ़कर 79.4 लाख टन हो गया है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पाम तेल की खेप में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 70.4 लाख टन से अधिक है। इस अवधि में आयात का कुल मूल्य सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 87,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 73,000 करोड़ रुपये था। कुल आयात में 78.2 लाख टन खाद्य तेल और 1.21 लाख टन गैर-खाद्य तेल शामिल है। एसईए के आंकड़ों के मुताबिक, पाम तेल का आयात लगभग दोगुना होकर 27.4 लाख टन से 39.7 लाख टन पर पहुंच गया। वहीं, सोया तेल और सूरजमुखी तेल जैसे नरम तेलों की खेप 41.3 लाख टन से घटकर 38.5 लाख टन रह गई। इंडोनेशिया और मलेशिया पाम तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं, जबकि अर्जेंटीना व ब्राजील सोया तेल तथा रूस व यूक्रेन सूरजमुखी तेल के मुख्य स्रोत बने हुए हैं। पिछले एक वर्ष में खाद्य तेलों की कीमतों में 14 से 22 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये में 9.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने आयात लागत को और बढ़ा दिया है, जिसे आयातकों और रिफाइनरों के लिए चिंता का विषय बताया गया है। इसी अवधि में नेपाल ने भी भारत को लगभग 2.17 लाख टन परिष्कृत तेल, मुख्य रूप से सोया तेल, निर्यात किया। मई 2026 तक कुल वनस्पति तेल भंडार बढ़कर 21.2 लाख टन हो गया है, जो तेल वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर आपूर्ति का संकेत देता है।

आधार नियमों में बड़ा बदलाव, अब दस्तावेज़ों की लंबी सूची मान्य, सत्यापन सख्त

यूआईडीएआई ने नए संशोधन विनियम, 2026 लागू किए

नई दिल्ली।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इनका उद्देश्य आधार बनवाने और अपडेट करने की प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित, आधुनिक और पारदर्शी बनाना है। नए नियमों के तहत, आधार के लिए स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची का व्यापक विस्तार किया गया है। अब ई-वोटर आईडी, ई-राशन कार्ड, बैंक पासबुक, मैरिज सर्टिफिकेट, यूटिलिटी बिल और रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट जैसे कई अन्य दस्तावेज़ भी मान्य होंगे। इससे उन लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी जिन्हें पहले सीमित दस्तावेज़ों के कारण परेशानी होती थी। हालांकि, दस्तावेजों की जांच अब पहले से अधिक सख्ती से की जाएगी। केवल वैध, एक्सपायर न हुए और आवेदक के नाम पर दर्ज दस्तावेज़ ही स्वीकार्य होंगे। पहचान प्रमाण में नाम और फोटो दोनों का होना अनिवार्य है। यदि परिवार आधारित आवेदन किया जाता है, तो परिवार प्रमुख और आवेदक दोनों का नाम संबंध प्रमाण पत्र में होना आवश्यक होगा।

बच्चों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है, साथ ही माता-पिता या अभिभावक के दस्तावेज भी देने होंगे। वहीं, 5 से 18 साल तक के बच्चों के लिए परिवार प्रमुख के जरिए आधार बनवाने की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर दस्तावेज आधारित आवेदन भी स्वीकार किया जाएगा।

रेलवन एप का एआई फीचर अब बताएगा, वेटिंग टिकट कन्फर्म होगी या नहीं

एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी सभी रेलवे सेवाएं, अनरिजर्व्ड टिकट पर मिलेगी 3 फीसदी की छूट

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे में कन्फर्म सीट की बढ़ती किल्लत और यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेल मंत्रालय ने एक नया डिजिटल समाधान पेश किया है। रेलवन नामक यह मोबाइल ऐप यात्रियों को न सिर्फ एक ही प्लेटफॉर्म पर ढेरों सुविधाएं देगा, बल्कि इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फीचर से अब यह भी जानना संभव होगा कि आपकी वेटिंग लिस्ट टिकट कन्फर्म होने की कितनी संभावना है। यह अभिनव सुविधा यात्रियों को टिकट बुक करने से पहले ही वेटिंग लिस्ट टिकट के कन्फर्म होने का अनुमान देती है। शुरुआत में 53 फीसदी की सटीकता के साथ शुरू हुआ यह एआई-आधारित सिस्टम अब 94 फीसदी तक की विश्वसनीयता के साथ काम करता है, जिससे यात्री सोच-समझकर अपनी यात्रा योजना बना सकते हैं। यह एआई पुराने डेटा और बुकिंग पैटर्न का विश्लेषण कर सटीक भविष्यवाणी करता है। रेलवन ऐप सिर्फ आरक्षण टिकटों के लिए ही नहीं, बल्कि एक ऑल-इन-वन समाधान के तौर पर काम करेगा। इसमें जनरल/अनरिजर्व्ड टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने की सुविधा, ट्रेन का लाइव लोकेशन ट्रैक करना और रेलवे हेल्पलाइन पर सीधे शिकायत दर्ज करना जैसी सेवाएं शामिल हैं। पहले इन सुविधाओं के लिए अलग-अलग ऐप्स का इस्तेमाल करना पड़ता था। ऐप के जरिए अनरिजर्व्ड टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 फीसदी की छूट भी मिल रही है, जो डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देगा।

थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे श्रीकांत और सिंधु

बैंकाक (एजेंसी)। भारत के किदाम्बी श्रीकांत और पीवी सिंधु यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से सीधे सेटों में हराया। श्रीकांत ने अपनी आक्रामक शैली से लो कीन यू को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। अब अगले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा। वहीं महिला एकल में, भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को सीधे गेम में आसानी से हरा दिया। सिंधु ने अपने स्मैश और तेज रिटर्न से विरोधी खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। अब उनका मुकाबला डेनमार्क की अमेली शूल्ज से होगा।

वहीं युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13-21, 21-17, 4-21 से हार का सामना करना पड़ा है। इसी तरह, तरुण मन्नेपल्ली भी जापान के कोकी वातानाबे से 12-21, 16-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला एकल में भी भारत की उन्नति हुड्डा को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग ने 11-21, 21-17, 21-16 से हराया। भारत के ही अनमोल खरब का मुकाबला चीन के चेन यू फेई के खिलाफ 19-21, 21-13, 21-18 से हार का सामना करना पड़ा है।

मुंबई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करना चाहेगी पंजाब

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस सत्र की शुरुआत में नंबर एक पर रही पंजाब की टीम पिछले चार मैच में लगातार हार से अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। उसके अब तक 13 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे पिछले मैचों में की गयी गलतियों से बचना होगा। उसके ऊपर दबाव भी रहेगा और ऐसे में अब देखना होगा कि वह किस प्रकार से खेलती है। इस मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। पिछले मैच में उसे इन दोनो क्षेत्रों की कमजोर से हार का सामना करना पड़ा था। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए दो मैचों को हर हाल में जीतना होगा।

टीम का अब तक का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उसे शुरुआत में लगातार जीत मिली पर फिर टीम एकाएक हारने लगी।

टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां नजर नहीं आई पर बल्लेबाजी के असफल होने ही टीम हारने लगी। दिल्ली के खिलाफ मैच में टीम जीत के करीब पहुंच गई थी पर अंतिम पांच ओवरों में तेज गेंदबाज अपनी लेंथ बरकरार नहीं रख पाये। अर्शदीप सिंह सहित अन्य गेंदबाजों का इकॉनमी रेट सबसे खराब रहा है। जहां पहले हाफ में जेवियर बार्टलेट और अर्शदीप ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया। वहीं लॉकी फर्ग्यूसन की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बेन ड्वार्शियस सहित बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा पर ये सभी महंगे साबित हुए। अर्शदीप ने जिन 11 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें से अधिकांश में उन्होंने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं।

इसके अलावा टीम की फील्डिंग भी खराब रही है। वहीं अगर पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो प्रभसिमरन सिंह को निरंतरता रखते हुए लंबी पारी खेलनी होगी जिससे वह शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्य के साथ बड़ी साझेदार कर सकें। टीम ने पिछले मैचों में काफी कैच

छोड़े हैं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ है।

वहीं दूसरे और मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह इस मैच में बिना किसी दबाव के उतरेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने उतरेंगे। ऐसे में वह बेहतर प्रदर्शन कर पंजाब के प्लेऑफ का समीकरण बिगाड़ सकती है। जिसको ध्यान में रखते हुए पंजाब को सतर्क रहना होगा।

मुम्बई के कप्तान हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे और इस मैच में उनके उतरने की संभावना है। वहीं आंकड़ो पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक 34 मैच हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 17 जबकि पंजाब ने 16 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रियान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, विल जैक, कॉर्बिन बॉश, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डीकॉक, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, एएम ग़ज़नफ़र, मयंक रावत, रघु शर्मा, मोहम्मद सलाउद्दीन इज़हार, रॉबिन मिंज।

बीसीसीआई ने कमिंस पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में धीमी ओवर गति के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर जुर्माना लगाया है। कमिंस पर बोर्ड ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कमिंस पर ये जुर्माना मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। बोर्ड ने इसे आईपीएल नियमों का उल्लंघन करार दिया है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, यदि क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने 20 ओवर पूरे नहीं कर पाती है, तो उसे धीमी ओवर गति का दोषी माना जाता है। आईपीएल ने भी कमिंस पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि धीमी ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का यह पहला अपराध था, जिसके कारण कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में सनराइजर्स की पहली गलती थी। आईपीएल में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना कप्तानों पर लगाया जाता है जिससे खेल की गति बनी रहे। इस सत्र में अबतक दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के अक्षर पटेल पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के श्रेयस अय्यर और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अजिंक्य रहाणे पर भी जुर्माना लगा है।

सुदर्शन ने लगातार तीसरे आईपीएल सत्र में 500 से अधिक रन बनाये

-विराट के रिकार्ड की बराबरी पर आये

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। सुदर्शन आईपीएल सत्र में लगातार तीसरी बार 500 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही सुदर्शन ने आईपीएल में विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। विराट ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीबी) की ओर से लगातार तीन सत्र में 500 से अधिक रन बनाये हैं।

सुदर्शन ने 2024 और 2025 के बाद अब 2026 में यह शानदार कारनामा किया है। है। इसी के साथ ही वह विराट के साथ तीसरे पायदान पर संयुक्त रूप से आ गये हैं। विराट ने साल 2023, 2024 और 2025 में यह रिकार्ड बनाया था। वहीं वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने साल 2011, 2012, 2013 और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने साल 2019, 2020 और 2021 में भी लगातार तीन बार 500 से अधिक रन बनाये हैं।

हालांकि, आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाने का ओवरऑल रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर के नाम दर्ज है, जिन्होंने छह बार यह उपलब्धि हासिल की है।

इस सत्र में साई सुदर्शन का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक 12 मैचों में 41.75 की शानदार औसत से कुल 501 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वह ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी दूसरे पायदान पर हैं, जहां सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 12 मैचों में 50.80 के औसत से 508 रन बनाकर उनसे थोड़ा आगे हैं। वहीं, विराट कोहली इस सूची में 13वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 11 मैचों में 42.11 के औसत से 379 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव : द्रविड़

डबलिन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक्र किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं।

द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी । उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 क्रिकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसके लिए विकेट को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाना होगा ताकि गेंदबाजों को भी सहायता मिले। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा बदलाव जो गेंदबाजों की सहायता करें वह किया जाना चाहिये। तभी गेंद और बल्ले में संतुलन आयेगा।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पक्ष में झुका नजर नहीं आना चाहिये। उन्होंने खेल में संतुलन के महत्व पर बल दिया और कहा, हम नहीं चाहते कि संतुलन किसी एक तरफ बहुत ज्यादा झुक जाए। खेल तभी रोमांचक होगा जब दोनो के बीच संतुलन रहेगा।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया जाना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसे हटा दिया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार इस नियम से खिलाड़ियों के ऑलराउंड विकास में बाधा आ रही है क्योंकि खिलाड़ी एक ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत ज्यादातर खिलाड़ियों को बल्लेबाज के रूप में रखा जाता है। जिससे उनको केवल बल्लेबाजी का ही अनुभव होता है जबकि खेल में सभी क्षेत्रों का अनुभव होना जरुरी है। इससे पहले भी कई दिग्गजों ने स नियम पर सवाल उठाये थे। अधिक लोगों का मानना है कि यह नियम मुख्य रूप से बल्लेबाजों को ही फायदा पहुंचा रहा है और खेल में संतुलन बिगाड़ रहा है। मांजरेकर ने कहा, मैं अब यह सोचने लगा हूं कि हमें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी बल्लेबाज का एक ही पक्ष सामने आता है।वहीं एक क्रिकेटर केवल बल्लेबाजी नहीं क्योंकि उसे फील्डिंग भी करनी होती है। मांजरेकर ने कहा कि खेल का असली दबाव और उसकी समझ मैदान पर फील्डिंग करने से ही आती है। उन्होंने कहा, अगर वह (वैभव) शानदार बल्लेबाज है, लेकिन फील्डिंग में कमजोर है, तो मैं देखना चाहूंगा कि विरोधी टीम उस कमजोरी का फायदा कैसे उठाती है। कैच छोड़ने का दबाव क्या होता है, यह हर खिलाड़ी को महसूस करना चाहिए। सिर्फ बल्लेबाजी करके आराम करना क्रिकेट के सबसे बड़े स्तर पर सही नहीं है। उनका मानना है कि यह नियम खिलाड़ियों को खेल के हर विभाग में अपने को परखने और सुधारने का मौका नहीं देता।

जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता। मैच के बाद शुभमन ने कहा, हमें अच्छी तरह पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर बनाना काफी कठिन होगा और उसका बचाव करना उससे भी मुश्किल रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने इस दौरान जबरदस्त खेल दिखाया। हमने मैच से पहले अपनी गेंदबाजी रणनीति को लेकर एक स्पष्ट योजना बनाई थी, जिसपर अमल करने में हम सफल रहे। विशेष रूप से देखा जाये तो हमारी गेंदबाजी बेहतीन रही। उन्होंने बल्लेबाजों साई सुदर्शन 61 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतकों की भी प्रशंसा की है। शुभमन के अनुसार इन शानदार पारियों से ही टीम 170 रन के अच्छे स्कोर तक पहुंची। साथ ही कहा, उनके बिना, 170 तक पहुंचना वाकई मुश्किल होता। अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचने के बारे में कप्तान ने बताया कि यह लगातार अच्छे प्रदर्शन से संभव हुआ है। अपनी टीम की पहचान को लेकर उन्होंने कहा, हम उस तरह की टीम नहीं हैं जो किसी खास स्टाइल या ब्रांड का क्रिकेट खेलती हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो हालातों का आंकलन करते हुए खेले। होल्डर के योगदान को लेकर उन्होंने कहा, वह बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं। जिस लेंथ पर वह गेंद फेंकते हैं, वह हमारे लिए बेहतरीन साबित होती है। होल्डर ने लगभग हर मैच में चार ओवर की गेंदबाजी की है, जो इस मौसम में बिल्कुल भी आसान नहीं है, लेकिन वह टीम के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन कर

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अभ्यास करते दिखे पांड्या

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो

भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं।

हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है। मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आना तय है। जब सीजन खत्म हो जाएगा, तब सही समय होगा कि क्या गलत हुआ, इसका सही आकलन किया जाए। लेकिन इस समय मेरी राय है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपनी पूरी कोशिश की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाला यह मैच मुंबई इंडियंस के लिए अंक तालिका में केवल एक औपचारिकता है। मुंबई का लक्ष्य अब सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान का अंत करना होगा, जिससे अगले सीजन के लिए एक मजबूत नींव रखी जा सके। दूसरी ओर, चार लगातार हार झेल चुकी सैम कुरेन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। पंजाब को अपनी स्थिति सुधारने और टूर्नामेंट में कुछ सकारात्मक हासिल करने के लिए जीत की सख्त जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीकी महिला तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल संन्यास से वापसी कर रहीं

जोहांसबर्ग । इग्लैंड में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप महिला विश्वकप क्रिकेट से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल ने खेल में वापसी की घोषणा कर दी है। शबनम की वापसी से दक्षिण अफ्रीकी टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार शबनम ने दक्षिण अफ्रीका के निदेशक एनोक न्कवे और मुख्य कोच मंडला माशिम्बी के साथ बातचीत के बाद वापसी की बात कही है। कोच माशिम्बी ने कहा, सच कहूं तो, हमारी गेंदबाजी में इस्माइल जैसी बेहतरीन खिलाड़ी का होना बहुत अच्छा होगा। गौरतलब है कि शबनम इस्माइल ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को अपने ही धरती पर टी20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था। वहीं उनके जाने के बाद से ही टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। टीम तभी से उनकी जैसी गेंदबाज को शामिल करना चाह रही थी पर सफल नहीं हो रही थी। माशिम्बी ने हाल के महीनों में माना था कि टीम के पास तेज गेंदबाजी के अच्छे विकल्प नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के दौरे के बाद उन्होंने फिर से दोहराया था कि टीम की गेंदबाजी में और ज्यादा तेजी की जरूरत है। उन्होंने इशारों-इशारों में यह भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस्माइल अपने संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेंगी। उनकी यह उम्मीद अब एक वास्तविकता में बदल गई है।

टेनिस खिलाड़ी पुरस्कार राशि के मामले में अब पीछे नहीं हटेंगे : पेगुला

खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व का बड़ा हिस्सा मिले

रोम । टेनिस जगत में खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। अब इस अभियान का नेतृत्व कर रही अमेरिकी महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कहा है कि खिलाड़ी अब अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेंगे। पेगुला ने कहा कि यह सही समय है जब खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व में एक बड़ा मिलना चाहिए। वहीं इससे पहले विश्व नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग की नंबर-1 खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने भी कहा था कि पुरस्कार राशि बढ़ायी जानी चाहिये। पेगुला खिलाड़ियों को इस मामले को लेकर एक मंच पर लाने का प्रयास भी कर रही हैं। । उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से इस मामले में सीधे बात करने और उन्हें एकसाथ लाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। पेगुला ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर पूछ सकती हूं कि क्या वह इस मामले में हमसे सहमत है या नहीं । साथ ही कहा कि कुछ खिलाड़ी शायद इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी पूरी तरह से समर्थन में हैं। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ियों से लगातार संपर्क कर रही हैं और उन्हें इस अभियान में शामिल कर रही हैं। पेगुला ने संकेत दिया कि अन्य प्रमुख पेशेवर खेलों की तुलना में टेनिस खिलाड़ियों को उनके योगदान के बदले काफी कम हिस्सा मिलता है।

अच्छे प्रदर्शन के बावजूद विदेशी कोच के लिये हॉकी इंडिया ने मुझे हटाया : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने विदेशी कोचों को तरजीह देने के हॉकी इंडिया के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद जूनियर टीम के कोच के पद से उन्हें हटा दिया गया । सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक पोस्ट में दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश ने लिखा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाया गया क्योंकि हॉकी इंडिया जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहता है।

श्रीजेश ने 'एक्स'' पर लिखा, ''लगता है कि मेरा कोचिंग कैरियर डेढ साल के बाद ही खत्म हो गया है जिसमें हमने पांच टूर्नामेंट खेले और जूनियर विश्व कप समेत पांच बार पोडियम पर रहे।' उन्होंने कहा, 'मैने सुना है कि खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाया जाता है लेकिन पहली बार विदेशी कोच की नियुक्ति के लिये मुझे हटाया जा रहा है।' श्रीजेश ने कहा, 'हॉकी इंडिया अध्यक्ष का कहना है कि सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में मदद मिलेगी।'

भारत की जूनियर टीम के कोच के रूप में श्रीजेश का कार्यकाल दिसंबर 2025 में खत्म हो गया था और उन्होंने इस पद के लिए पुनः आवेदन किया था। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के क्रेग फुल्टोन हैं जबकि महिला टीम के कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन हैं। श्रीजेश पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद अंडर 21 पुरूष टीम के मुख्य कोच बने थे जिनके कार्यकाल में टीम ने जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जूनियर विश्व कप और जोहोर कप में कांस्य पदक जीता था। श्रीजेश ने आगे लिखा, 'क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी का विकास नहीं कर सकते।'

उन्होंने कहा कि खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कहा था कि देश को उनके जैसे कोचों की जरूरत है लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा सिर्फ विदेशी कोचों पर है। उन्होंने कहा, 'सात मार्च 2026 को माननीय खेलमंत्री श्री मनसुख मांडविया के साथ एक मुलाकात में मुझे कहा गया था कि 2036 ओलंपिक की तैयारी के लिये श्रीजेश हमें तुम्हारे जैसे कोचों की जरूरत है।' श्रीजेश ने कहा, 'लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा चारों टीमों के लिये भारतीय कोचों की बजाय विदेशी कोचों पर है।' उन्होंने इस पोस्ट में खेलमंत्री, पीएमओ, हॉकी इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की को टैग किया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 3888

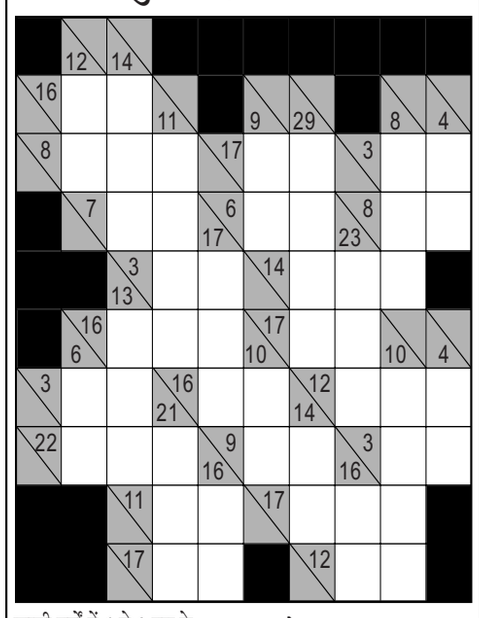

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3887 का हल

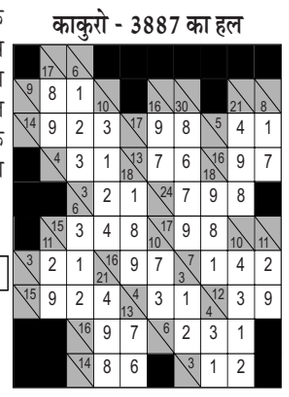

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-3888

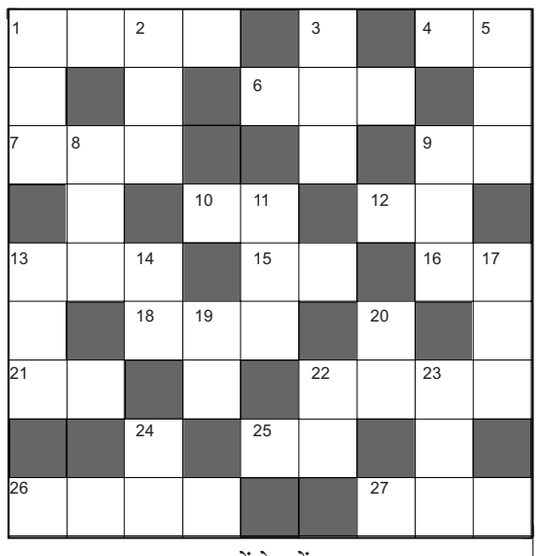

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3887

ऐ	त	बा	र		ज़ु	र्म		जी	
त		द		क	र्मा		घा	त	क
रा	ह	ल		री	ना	रा	य		र्म
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			ह्म	सि	ल
म	ह्म	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्ते
सं	सा	र		ल	की			नू	री

सूडोकु -3888

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3887 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 3888

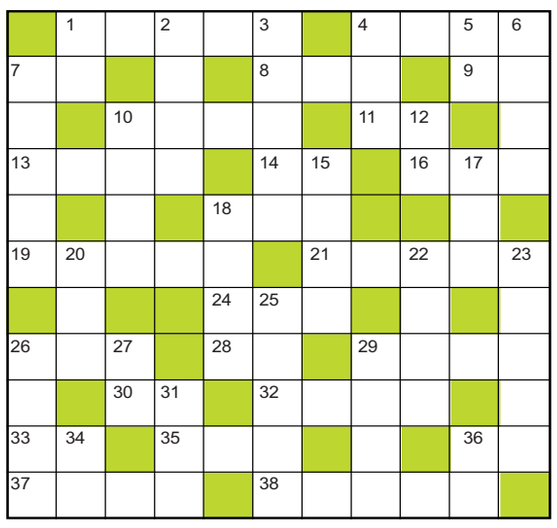

बाएँ से दाएँ
1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे
1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -3887 का हल

स	द	च	रि	त्र			ब	ह	रा	
मा	मा		या		अ	द	द		ह	क
ज			स	ज	दा		न			हा
वा	र	दा	त			श		प	नी	र
दी		म्रि		ह	म	रा	ज		र	
	रा	नी		रा		फ		बी	ज	
	ह		श	र	ब	त		ह		म
क	त	रा		त			अ	इ	च	न
हा			धिं		म	लि	न			भा
नी	र		त	न	य		ब		श	व
	थ	का	न			म	न	मो	ह	न

बाइपास या एंजियोप्लास्टी

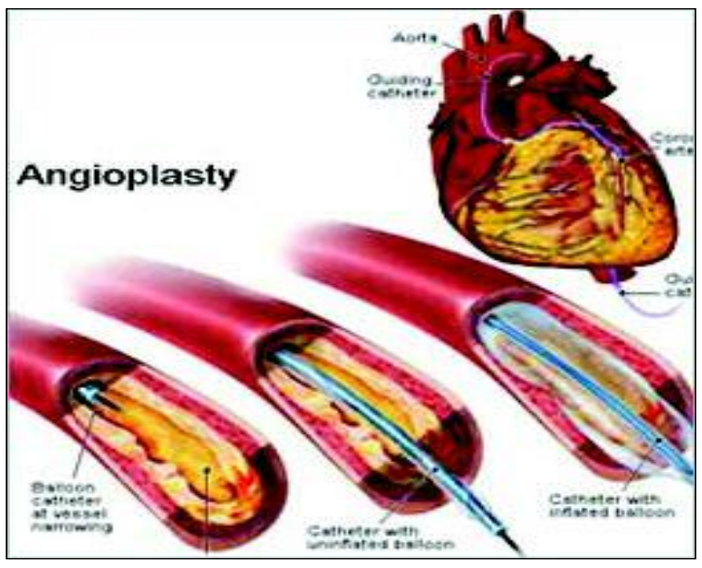

जब अवरोध दो या उससे अधिक आर्टरी में हो, आकार में बड़े हों, ब्लॉकेज आर्टरी के शुरूआती हिस्से में हो, आर्टरीज छोटी हों या मरीज डाइबिटीज से भी पीड़ित हो ,तो बाइपास ही बेहतर विकल्प होता है। क्या आप हृदय रोग से पीड़ित हैं। क्या आपको डॉक्टर ने बाइपास या एंजियोप्लास्टी कराने को कहा है। अलग-अलग विशेषज्ञ अपनी राय देते हैं। ऐसे में यह तय कर पाना मुश्किल होता है कि इलाज का कौनसा तरीका सही रहेगा। इसी तरह के सवालों का समाधान यहां करने का प्रयास किया जा रहा है।

एंजियोप्लास्टी

एंजियोप्लास्टी के अंतर्गत मरीज की अवरूद्ध कॉरोनरी आर्टरीज में कैथेटर के जरिए एक स्टेंट बैठाकर अवरोध को दूर कर दिया जाता है, जिससे रक्त का प्रवाह सामान्य होकर मरीज दुबारा सामान्य जीवन जीने लगता है। एंजियोप्लास्टी के बाद एक-दो दिन में मरीज घर वापस जा सकता है।

बाइपास सर्जरी

बाइपास सर्जरी में छाती में लगभग छह इंच लंबा चीरा लगाकर हृदय की सर्जरी की जाती है। अवरूद्ध आर्टरीज के समांतर एक दूसरी आर्टरी ग्राफ्ट कर दी जाती है और रक्त का प्रवाह अवरूद्ध आर्टरी के स्थान पर इस नई प्रत्यारोपित आर्टरी से होने लगता है। यह काफी पेचीदा सर्जरी है, कई घंटों तक चलती है और सर्जरी के बाद मरीज को लगभग सप्ताह भर हॉस्पिटल में रहना पड़ता है और उसके बाद महीने-डेढ़ महीने घर पर आराम करना पड़ता है। अमूमन लोग एंजियोप्लास्टी से जुड़ी सहजता और बाइपास को जटिल मान उससे भयभीत होकर, इसके फायदे-नुकसान को जाने बगैर एकतरफा निर्णय ले लेते हैं। मुंबई के लीलावती और नानावती हॉस्पिटल्स से जुड़े सर्जन डॉ. पवन कुमार बताते हैं, 'मरीज के लिए बाइपास सर्जरी या एंजियोप्लास्टी में क्या उचित है यह निर्णय लेने से पहले यह जानना जरूरी होता है कि कॉरोनरी आर्टरीज में अवरोध/ ब्लॉकेज कितने हैं, उनका आकार क्या है, मरीज डाइबिटीज जैसी किसी अन्य बीमारी से पीड़ित तो नहीं है वगैरह।'

किसी एक कॉरोनरी आर्टरी के अवरूद्ध होने की स्थिति में या फिर मरीज की उम्र सत्तर साल से अधिक हो, तो एंजियोप्लास्टी कराई जा सकती है। जब अवरोध दो या उससे अधिक आर्टरी में हो, आकार में बड़े हों, ब्लॉकेज आर्टरी के शुरूआती हिस्से में हो, आर्टरीज छोटी हों या मरीज डाइबिटीज से भी पीड़ित हो ,तो बाइपास ही बेहतर विकल्प होता है। डॉ. पवन कुमार के अनुसार, 'आज से एक-डेढ़ दशक पूर्व तक हृदय रोगियों के लिए ,खासकर डाइबिटीज पीड़ित हृदय रोगियों के लिए, बाइपास सर्जरी के बजाय एंजियोप्लास्टी को ज्यादा सुरक्षित माना जाता था। मिनिमल इनवेजिव होने के कारण इसमें चीर-फाड़ नहीं होती थी, जिससे ब्लड ट्रांसफ्यूजन इत्यादि की आवश्यकता कम पड़ती थी। हार्ट सर्जरी के क्षेत्र में आई नई तकनीकी उपलब्धियों ने और एंजियोप्लास्टी को लेकर किए गए कुछ अध्ययनों ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया है।' अमरीकी फेडरल हेल्थ विभाग द्वारा डाइबिटीज से पीड़ित हृदय रोगियों पर कराए गए एक अध्ययन के अनुसर, एंजियोप्लास्टी कराए डाइबिटीज रोगियों में से लगभग 35 प्रतिशत मरीजों की मृत्यु इसके पांच साल के भीतर ही हो जाती है, जबकि इसी दौरान बाइपास सर्जरी कराए गए मरीजों के लिए यह दर 19 प्रतिशत से भी कम है।

डॉ. पवन कुमार के अनुसार, 'मेरी राय में बाइपास सर्जरी ही ज्यादा सुरक्षित है। हमारे देश में बाइपास के लिए आने वाले कुल मरीजों में से लगभग 80 प्रतिशत डाइबिटीज के रोगी होते हैं। इन मरीजों में ब्लॉकेजेज की संख्या अधिक तो होती है, वे आकार में बड़े और लंबे होते हैं। ऐसे मरीजों की अगर एंजियोप्लास्टी की जाए, तो रिस्टेनोसिस यानी आर्टरीज के दुबारा ब्लॉक होने का खतरा अत्यधिक रहता है। ब्लॉकेज अधिक होने पर एंजियोप्लाटी के दौरान ज्यादा स्टेंट डालने पड़ सकते हैं। हर स्टेंट में दुबारा सालाना लगभग 5 से 15 प्रतिशत की दर से ब्लॉकेज होते रहते हैं। रक्त में शक्कर की मात्रा अधिक हो, तो दुबारा ब्लॉकेज की यह दर और भी अधिक होती है। नतीजतन कुछ समय बाद फिर सर्जरी जरूरी हो जाती है।

आर्टेरियल टाइप ऑफ बाइपास सर्जरी

कुछ साल पहले तक बाइपास के लिए पैर में पाई जानेवाली सेफनॅस वेन नामक रक्तवाहिका को प्रयोग में लाया जाता था। ग्राफ्ट की गई इन वाहिकाओं के दुबारा ब्लॉक होने का खतरा काफी अधिक था। इन दिनों छाती के भीतर स्थित इंटरनल मेमरी आर्टरी नामक रक्तवाहिका का प्रयोग बाइपास के लिए किया जा रहा है। इसी वजह से इसे आर्टेरियल टाइप ऑफ बाइपास सर्जरी कहा जाता है। अधिक जानकारी के लिए निशुल्क कार्डियक हेल्पलाइन 09820182000 पर संपर्क कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार, बाइपास सर्जरी की यह तकनीक दीर्घावधि परिणामों के हिसाब से बेहतरीन है। क्योंकि ग्राफ्ट की गई आर्टरी के अवरूद्ध होने का खतरा न सिर्फ काफी कम है, बल्कि हृदय के लिए खतरनाक माने जानेवाले फैक्टर्स [कारकों] मसलन डाइबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल वगैरह के दुष्प्रभावों को नाकाम करने में भी सक्षम है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

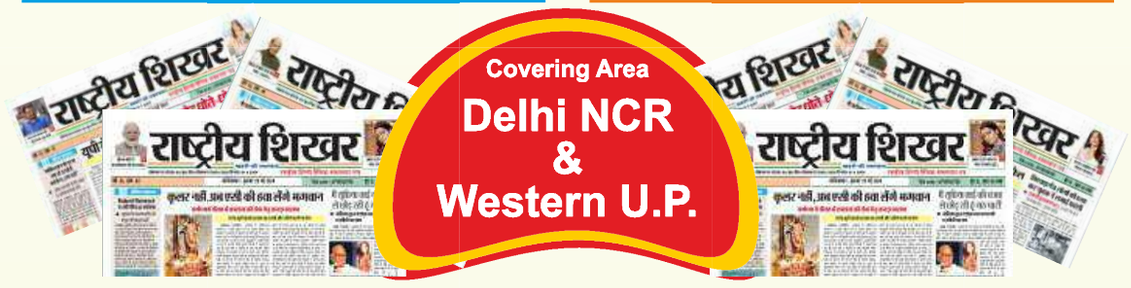

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

प्रियदर्शन के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे शानदार अनुभव

मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई है। उन्होंने फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करने के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। एकता ने इंस्टाग्राम पर प्रियदर्शन के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रोड्यूसर ने अपनी पोस्ट में बताया कि कैसे दो अलग और मजबूत विचारधारा वाले लोगों ने आपसी सम्मान के साथ एक बेहतरीन प्रोजेक्ट पर काम किया। एकता ने लिखा, 'मैं एक ऐसे इंसान के साथ काम कर रही थी, जो अपनी 100वीं फिल्म बना रहे थे। लोगों को लगा था कि हम दोनों जैसे मजबूत सोच वाले लोग साथ आएंगे तो शायद टकराव होगा लेकिन उन्होंने यह नहीं देखा कि हमारे बीच कितना गहरा सम्मान था। मुझे नहीं लगता कि मैंने प्रियदर्शन के साथ काम करने जितना मजा किसी और के साथ किया है।' एकता ने एक दिलचस्प वाक्य शेयर करते हुए बताया कि काम शुरू करने से पहले ही प्रियदर्शन ने उनसे एक बेहद खास सवाल पूछा था। प्रियदर्शन ने उनसे पूछा, 'एकता, क्या तुम इस फिल्म से पैसा कमा रही हो? मैं उस फिल्म पर काम नहीं करता जिसमें प्रोड्यूसर को फायदा न हो।'
एकता ने लिखा, 'उनकी सोच और काम करने का तरीका बहुत खास है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रोड्यूसर सुरक्षित रहे। तभी मुझे भरोसा हो गया था कि फिल्म और कंपनी का पैसा दोनों सही हाथों में हैं।' एकता ने उनके अनुशासन और विजन की तारीफ करते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए लिखा, 'ऐसा नहीं है कि हमारे बीच कभी मतभेद नहीं हुए लेकिन हर बार बात सम्मान के साथ हुई।

बेबाक अंदाज पर उर्वशी रौतेला अब नहीं देतीं सफाई

किस कारण से बदली सोच

उर्वशी रौतेला अपनी बोल्ड और उल्टी-सीधी बातों के किए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। फिल्मों में उनके अभिनय को लेकर कम ही चर्चा होती है। हाल ही में इस पूरी कंडीशन पर उर्वशी रौतेला ने एक इंटरव्यू में बातचीत की है। उनका कहना है कि वह दूसरों के सामने अब खुद को सही साबित करने की कोशिश नहीं करती है, अपनी बातों पर कोई सफाई नहीं देती है।

उर्वशी की नजर में महत्वकांक्षा को दिखावा समझा जाता है

जब उर्वशी से पूछा गया कि उनकी कही बातों और दावों का लोग मजाक बनाते हैं। उनके बारे में गलतफहमी पैदा होती है? तो वह क्या करती हैं? इस पर की गई बातचीत में उर्वशी रौतेला कहती हैं, 'मुझे लगता है कि लोग कभी-कभी महत्वाकांक्षा को दिखावा समझ लेते हैं। खासकर तब जब कोई महिला पब्लिक स्पेस में बहुत ज्यादा नजर आती है।' उर्वशी आगे कहती हैं, 'अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई ग्लैमर को अपनाता है या फैशन का शौकीन है, तो वह बहुत ज्यादा फोकस्ड होगा।'

लोगों की सोच पर क्या बोलीं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला का कहना है कि वह अब खुद को साबित करने पर जोर नहीं देती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'पहले मुझे यह साबित करने की जरूरत महसूस होती थी कि मैं उस इमेज से कहीं ज्यादा हूं जो लोग देखते हैं। लेकिन अब मुझे समझ आ गया है कि आप अपनी जिंदगी सिर्फ लोगों की सोच को लगातार ठीक करने में नहीं गुजार सकते हैं।' उर्वशी आगे कहती हैं, 'मैंने खुद को ज्यादा समझाने की कोशिश करना छोड़ दिया है। मैं तो बस आगे बढ़ती रहूंगी और समय को ही यह बताने दूंगी कि मैं असल में कौन हूं।'

उर्वशी रौतेला का करियर फ्रंट

जल्द ही उर्वशी रौतेला सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में नजर आएंगी। इस सीरीज में लीड रोल में रणदीप हुड्डा हैं। यह सीरीज अपराध और राजनीति की कहानी को कहती है। यह सीरीज का दूसरा सीजन है। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं, अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं।

बॉक्स ऑफिस नंबर और लोगों की राय अस्थायी

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि उनके लिए सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों या समीक्षकों की तारीफ तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके लिए यह मायने रखता है कि वह अपने अभिनय से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ पा रही हैं।

जब अदा शर्मा से पूछा गया कि करियर के इस पड़ाव पर वह सफलता को कैसे मापती हैं, तो उन्होंने जवाब में बताया, 'बॉक्स ऑफिस उस शोर मचाने वाले दोस्त की तरह है जो चिल्लाता है 'द केरल स्टोरी ने 375 करोड़ कमाए, यह फिल्म महिला प्रधान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है', और निश्चित रूप से जब ऐसा होता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार भी महसूस करती हूं, लेकिन आपके काम की आलोचनात्मक समीक्षा उस बुद्धिमान मित्र की तरह है जो ज्यादा नहीं बोलता, लेकिन जब वह तारीफ करता है तो आपको ऐसा लगता है जैसे आपने कोई परीक्षा पास कर ली है।' 2008 में हिंदी हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस किया था। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'संख्याएं और राय आती-जाती रहती हैं; मेरे लिए जो मायने रखता है वह यह है कि दर्शक दृश्यों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, प्रदर्शन और संवादों को कैसे याद रखते हैं।'
'द केरल स्टोरी' से अपार सफलता हासिल करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि उनके प्रशंसक आज भी 1920 और सनफ्लावर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझसे मिलने वाले बहुत से लोग मुझे बताते हैं कि 1920 ने उन्हें कैसे डरा दिया, सनफ्लावर ने उन्हें कैसे हंसाया और द केरल स्टोरी ने उन्हें कैसे रुलाया। अदा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। खबरों के मुताबिक, यह फिल्म एस. वेंकटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने भारत के 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया और देश के वित्तीय बचाव काल से उनका गहरा संबंध था। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है और यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि फिल्म वाकई उन्हीं पर आधारित है या नहीं। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। उन्हें आखिरी बार विक्रम भट्ट की फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में अनुपम खेर, इश्वक सिंह, अदा शर्मा और ईशा देओल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

धमाल मचाने को तैयार सूर्या और तृषा कृष्णन

फिल्म 'करुप्पु' को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

सूर्या की आगामी फिल्म 'करुप्पु' ने अपनी सेंसर प्रक्रिया पास कर ली है और इसे पास कर दिया गया है। यह फिल्म 14 मई को रिलीज होने जा रही है। सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद यह फिल्म अपने तय समय पर रिलीज को तैयार है। इसमें सूर्या के साथ तृषा की जोड़ी जमेगी।

वर्ल्डवाइड रिलीड होगी फिल्म

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित एक्टर सूर्या की फिल्म 'करुप्पु' एक एक्शन ड्रामा मूवी है। यह वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। सेंसर प्रक्रिया से गुजरने के बाद फिल्म को 'U/A' सर्टिफिकेट मिल गया है। फिल्म के टीजर और अन्य प्रमोशनल वीडियो ऑनलाइन रिलीज होने के बाद से ही इसने लोगों में काफी दिलचस्पी जगाई है। इस फिल्म में अभिनेत्री तृषा फीमेल लीड रोल कर रही हैं। वे एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। इसमें उनका नाम प्रीति है।

प्रमोशन में व्यस्त हैं मेकर्स

इस फिल्म में कई वर्षों बाद सूर्या और तृषा की रीयूनियन भी होने जा रही है। इससे इसकी रिलीज को लेकर लोगों का ध्यान और भी ज्यादा बढ़ गया है। सर्टिफिकेशन से जुड़ा अपडेट ऑनलाइन शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'फिल्म 'करुप्पु' को UA सर्टिफिकेट मिला है और यह 14 मई से दुनियाभर के सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है'। फिलहाल मेकर्स इसके प्रमोशन में जुटे हैं।

ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

सूर्या के साथ-साथ, फिल्म में इंद्रन्स, नैटी, योगी बाबू, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी और अन्य कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर ने तैयार किया है। सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है। फिल्म के स्टंट सीक्वेंस विक्रम मोर ने कोरियोग्राफ किए हैं। एक्शन, ड्रामा और आध्यात्मिकता से भरपूर इस फिल्म को लेकर दर्शक उत्साहित हैं।

कृति सेनन ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली बार कृति सेनन और रश्मिका मंदाना साथ में नजर आएंगी। अक्सर जब दो ए लिस्ट एक्ट्रेस एक ही फिल्म में आती हैं, तो चर्चाएं बटोरती हैं। अब हाल ही में कृति ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है।

रश्मिका बहुत अच्छी हैं

हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में कृति सेनन ने रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि रश्मिका बहुत ही सच्ची, दयालु, प्यारी और मिलनसार हैं। उनमें जरा भी इनसिक्योरिटी नहीं है। बस अच्छाई ही अच्छाई है और मुझे लगता है कि मैं पॉजिटिव एनर्जी से अट्रैक्ट होती हूं। अगर मुझे किसी की ऊर्जा और पॉजिटिविटी महसूस होती है, तो मैं उसकी ओर आकर्षित हो जाती हूं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया, और वह कमाल की हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं।

यह सीक्वल नहीं है

कृति ने 'कॉकटेल 2' और 2012 में आई 'कॉकटेल' के बीच होने वाली तुलना पर भी बात की। एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि यह 'कॉकटेल' का सीधा सीक्वल नहीं है। यह एक अलग कहानी और किरदारों वाली फ्रेंचाइज फिल्म है। तुलनाओं के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि मुझे यकीन है कि तुलना तो होगी ही, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह कोई सीक्वल नहीं है। यह एक फ्रेंचाइज है। इसलिए यह एक अलग ही माहौल वाली फ्रेंचाइज है और इसके किरदार अलग-अलग हैं।

2021 में आई थी 'कॉकटेल'

साल 2012 में आई 'कॉकटेल' में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। 'कॉकटेल' अपने संगीत, किरदारों और आधुनिक रिश्तों के ड्रामे के लिए कई साल से एक कल्ट फिल्म बन गई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी और इसे पसंद किया गया था।

19 जून को रिलीज होगी

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। कई लोगों का मानना है कि फिल्म शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव ट्रायंगल पर आधारित होगी। निर्देशक होमी अदजानिया ने भी इन अफवाहों पर मजाकिया प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म का गाना 'जब तलक' भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड में सत्ताधारी पार्टी के दफ्तर पर बम हमला, आतंकवादी मंशा का आरोप

हेग , एजेंसी। नीदरलैंड की राजधानी हेग में सत्ताधारी पार्टी डी66 के मुख्यालय पर हुए बम हमले को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। अधिकारियों ने कहा है कि इस मामले में गिरफ्तार 37 वर्षीय आरोपी पर आतंकवादी मंशा से हमला करने का आरोप लगाया गया है। अदालत ने आरोपी को दो सप्ताह की अतिरिक्त हिरासत में भेज दिया है। यह धमाका 8 मई को उस समय हुआ जब एक व्यक्ति ने पार्टी कार्यालय के लेटर बॉक्स के जरिए बम अंदर फेंक दिया। उस समय इमारत में पार्टी की युवा शाखा के लगभग 30 सदस्य बैठक कर रहे थे। धमाके से वहां अफरा-तफरी मच गई, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डच प्रधानमंत्री रोब जेट्टेन ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से नेताओं को डराने की कोशिश बेकार है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, किसी राजनीतिक दल के कार्यालय को निशाना बनाना लोगों में भय पैदा करता है, इसलिए इसे आतंकवादी गतिविधि माना गया है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह दूसरी बार है जब इस कार्यालय को निशाना बनाया गया। इससे पहले सितंबर में भी चुनावों से पहले हिंसक प्रदर्शन के दौरान दफ्तर में तोड़फोड़ की गई थी।

अमेरिका में सामूहिक गोलीबारी का आरोपी किशोर गिरफ्तार

आयोवा, एजेंसी। अमेरिका के आयोवा सिटी में पिछले महीने हुई सामूहिक गोलीबारी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अमेरिकी मार्शलों ने 17 वर्षीय आरोपी डामारियन एम. जोन्स को जॉर्जिया के अटलांटा के पास गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पांच लोगों की हत्या की कोशिश समेत कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 19 अप्रैल की रात यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा के पास स्थित एक व्यस्त इलाके में बड़ी लड़ाई हुई थी। वहां कई दुकानें, बार और रेस्टोरेंट मौजूद हैं। इसी दौरान आरोपी ने भीड़ की ओर छह गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गया। इस गोलीबारी में पांच लोग घायल हुए थे। एक व्यक्ति के सिर में गोली लगी, जबकि अन्य लोगों के हाथ, पैर, छाती और पेट में गोलियां लगीं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से एक अब भी अस्पताल में भर्ती है। आरोपी को फिलहाल जॉर्जिया की जेल में रखा गया है और जल्द ही उसे आयोवा लाया जाएगा। पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि आरोपी को कैसे पकड़ा गया। मामले की जांच जारी है और पुलिस इस हमले के पीछे की पूरी साजिश पता लगाने में जुटी है।

ट्रंप प्रशासन ने सार्वजनिक जमीन संरक्षण से जुड़ा बड़ा नियम खत्म किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लेते हुए उस नियम को खत्म कर दिया है, जिसमें सार्वजनिक जमीनों के संरक्षण को विकास कार्यों के बराबर महत्व दिया गया था। यह नियम पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में 2024 में लागू किया गया था। इस नियम के तहत सरकारी जमीनों को पर्यावरण संरक्षण और बहाली के लिए भी लीज पर दिया जा सकता था, ठीक वैसे ही जैसे तेल कंपनियों को ड्रिलिंग के लिए जमीन दी जाती है। लेकिन ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इससे ऊर्जा उत्पादन, लकड़ी उद्योग और पशुपालन पर असर पड़ रहा था। अमेरिकी गृह मंत्री डौग बर्गम ने कहा कि यह नियम लाखों एकड़ जमीन तक उद्योगों की पहुंच रोक सकता था। रिपब्लिकन नेताओं और उद्योग समूहों ने भी इसका विरोध किया था। अमेरिका की बड़ी सरकारी जमीनें अलास्का, कैलिफोर्निया, यूटा और वायोमिंग जैसे राज्यों में फैली हैं। ट्रंप प्रशासन अब इन इलाकों में तेल, गैस, खनन और लकड़ी उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम उठा रहा है।

नेपाल :भारत की सहायता से बनने वाले स्कूल की रखी नींव

कैलाली , एजेंसी। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के कैलाली जिले में सोमवार को सिद्धनाथ माध्यमिक विद्यालय के निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव नारायण सिंह ने स्कूल की आधारशिला रखी। भारत सरकार इस सामुदायिक विकास परियोजना के लिए 3.6 करोड़ नेपाली रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। यह परियोजना नेपाल के विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पाकिस्तान : खाई में गिरी वैन शादी में जा रहे 11 की मौत

स्वात , एजेंसी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के स्वात जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। मलम जबा के पहाड़ी इलाके में शादी समारोह में जा रही एक वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। बचाव अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में दूल्हे की मां सहित कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान शुरू किया, जिसके बाद घायलों को सैदू शरीफ अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने की जांच शुरू कर दी है।

नूर खान एयरबेस का सीक्रेट खुला ! ईरान के विमानों को छिपा रहा था पाकिस्तान, भड़का अमेरिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के दौरान पाकिस्तान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ताजा अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक, एक तरफ जहां पाकिस्तान दोनों देशों के बीच शांति के लिए 'मध्यस्थ' होने का दिखावा कर रहा था, वहीं दूसरी तरफ उसने ईरानी सैन्य विमानों को संभावित अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए अपने एयरबेस पर छिपने की जगह दी। इस खुलासे के बाद वाशिंगटन में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है।

नूर खान एयरबेस पर उतारे गए ईरानी विमान : सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि 8 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम की घोषणा करने के कुछ ही समय बाद, ईरान ने अपने कई विमानों को पाकिस्तान के 'नूर खान एयरबेस' पर शिफ्ट कर दिया था। इन विमानों में ईरानी वायुसेना का एक आरसी-130 टोही और खुफिया जानकारी जुटाने वाला विमान भी शामिल था। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था।

भड़का अमेरिका, सीनेटर ने की पाकिस्तान के रोल की समीक्षा की मांग

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अमेरिकी सांसदों ने इस्लामाबाद की तटस्थता पर सवाल उठाए हैं। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने इस संकट में पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका का फिर से आकलन करने की मांग की है।

सीनेटर ग्राहम की दो टूक: उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा- अगर यह रिपोर्ट सही है, तो अमेरिका, ईरान और अन्य पक्षों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थ की भूमिका का पूरी तरह से पुनर्मूल्यांकन करना होगा। इजरायल का किया जिक्र: उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल को लेकर पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों के पहले के बयानों को देखते हुए, अगर यह खबर सच साबित होती है तो उन्हें कोई हैरानी नहीं होगी।

पाकिस्तान ने दावों को किया खारिज : दूसरी ओर, एक वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी ने इन आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया है। ब्लूमबर्ग न्यूज से बात करते हुए पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा कि नूर खान बेस शहर के बिल्कुल बीचों-बीच और घनी आबादी वाले इलाके में स्थित है। अधिकारी के मुताबिक, वहां विमानों के एक बड़े बेड़े को खड़ा करना और उसे आम जनता की नजरों से छिपाना नामुमकिन है।

क्या अफगानिस्तान में भी छिपाए गए नागरिक विमान : रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि युद्ध के दौरान ईरान ने अपने नागरिक विमानों को पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी भेजा था। एक अफगान नागरिक उड्डयन अधिकारी के अनुसार, युद्ध शुरू होने से ठीक पहले महान एयर का एक ईरानी विमान काबुल में उतरा था और ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद वहीं रुक गया। अफगान अधिकारियों के मुताबिक, बाद में जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले किए, तो इस विमान को ईरानी सीमा के पास हेरात में शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि, तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने इन दावों को झूठा बताते हुए कहा, 'नहीं, यह सच नहीं है और ईरान को ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है।'

शांति प्रस्ताव पर ट्रंप बोले- ईरान लाइफ सपोर्ट पर है : यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब पाकिस्तान वाशिंगटन और तेहरान के बीच अपने रिश्ते संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। सीजफायर के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी चरम पर है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने युद्ध समाप्त करने के तेहरान के ताजा प्रस्ताव को 'उचित' बताया। लेकिन, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस से बोलते हुए इस ईरानी प्रतिक्रिया को 'कचरा' करार देकर सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप ने कहा, 'उनके भेजे गए उस कचरे को पढ़ने के बाद, मैंने उसे पूरा भी नहीं पढ़ा। वे (ईरान) लाइफ सपोर्ट पर हैं। यह सीजफायर भी भारी लाइफ सपोर्ट पर है।' ईरान ने भी साफ कर दिया है कि भविष्य की किसी भी बातचीत में यूरेनियम संवर्धन और परमाणु तकनीक पर कोई समझौता नहीं होगा।

चीन के लिए जासूसी कर रहीं थी कैलिफोर्निया शहर की मेयर, एफबीआई की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

वाशिंगटन, एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने सोमवार को एक बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया, कैलिफोर्निया के अर्कांडिया शहर की मेयर ईलिंग वांग पर संघीय अदालत में चीन की अवैध एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगा है।

एफबीआई के ने क्या कहा : साल 2020 के अंत से 2022 तक ईलिंग वांग और याओनिंग माइक सन ने चीनी सरकार के अधिकारियों के निर्देशों पर काम किया। इन लोगों ने अमेरिका में चीन के हितों को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों को अंजाम दिया। उन्होंने यूएस न्यूज सेंटर नाम की एक वेबसाइट के माध्यम से अमेरिका में चीन के समर्थन वाला प्रोपेगेंडा फैलाया। यह वेबसाइट खुद को स्थानीय चीनी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक समाचार स्रोत बताती थी। असल में, वांग और उनके साथी चीनी अधिकारियों से निर्देश लेते थे और वेबसाइट पर उनके मनमुताबिक सामग्री पोस्ट करते थे।

न्याय विभाग ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग और अन्य लोगों से संपर्क किया था। यह संपर्क वीचैट नाम के एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए किया गया था। उस अधिकारी ने उन्हें पहले से लिखे हुए समाचार लेख भेजे थे ताकि उन्हें वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सके।

दस साल तक हो सकती है सजा : रिपोर्टों के अनुसार, 58 वर्षीय वांग ने गंभीर अपराध के आरोप में दोषी ठहराए जाने पर सहमति जताई है, जिसके लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। न्याय विभाग के बयान के अनुसार, वांग आज दोपहर लॉस एंजिल्स की जिला अदालत में पेश होंगी। उम्मीद है कि वह आने वाले हफ्तों में आधिकारिक तौर पर अपना गुनाह कबूल कर लेंगी। वांग नवंबर 2022 में अर्कांडिया सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं। इस पांच सदस्यीय परिषद में मेयर का पद बारी-बारी से मिलता है। अब उन्होंने सिटी काउंसिल और मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। नेशनल सिक्योरिटी के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल जॉन ए ईसेनबर्ग ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि सार्वजनिक भरोसे वाले पद पर बैठा व्यक्ति विदेशी सरकार के निर्देशों का पालन कर रहा था। फर्स्ट असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी बिल एसायली ने कहा कि जो लोग गुप्त रूप से विदेशी सरकारों के इशारे पर काम करते हैं, वे हमारे लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। यह चीन की उन कोशिशों के खिलाफ हमारी जीत है, जिनके जरिए वह हमारे संस्थानों को भ्रष्ट करना चाहता है।

स्कॉटलैंड में भारतीय ने रचा इतिहास: छात्र वीजा पर पहुंचे क्यू मणिवन्नन बने संसद सदस्य, पहचान पर छिड़ी बहस

एडिनबर्ग, एजेंसी। महज चार वर्ष पूर्व छात्र वीजा पर स्कॉटलैंड पहुंचे तमिलनाडु के एक भारतीय डॉक्टरेट छात्र क्यू मणिवन्नन ने स्थानीय चुनाव में अपनी जीत को ब्रिटेन की राजनीति में आप्रवासन, पहचान और प्रतिनिधित्व के व्यापक मुद्दे में बदल दिया है। वह खुद को नॉन-बाइनरी मानते हैं और सत्ता में विविधता का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। क्यू मणिवन्नन, स्कॉटिश संसद (होलीरूड) के नए सदस्यों में से एक हैं। डॉक्टरेट छात्र मणिवन्नन को स्कॉटिश ग्रीन्स की एडिनबर्ग और लोथियंस ईस्ट क्षेत्रीय सूची से स्कॉटिश संसद के लिए चुना गया। अपने समर्थकों के बीच खड़े मणिवन्नन ने कहा, मैं एक ट्रांसजेंडर तमिल अप्रवासी हूं। इस देश में कुछ लोगों के लिए मैं वह सब कुछ हूं जिससे नफरत करने वाले घृणा करते हैं और मैं आज यहां आपके एमएसपी (स्कॉटिश संसद सदस्य) के रूप में पूरी सावधानी के साथ खड़ा हूं। उनके चुनाव की आप्रवासन विरोधी आवाजों ने उन नियमों को लेकर आलोचना की है जो स्कॉटलैंड में रहने वाले कुछ विदेशी नागरिकों को चुनाव लड़ने की अनुमति देते हैं। नियम परिवर्तन के तहत संभव हुआ उम्मीदवारी राष्ट्रमंडल नागरिक होने के नाते नियम परिवर्तन के तहत संभव हुई, जो अल्पकालिक वीजा पर रहने वाले या स्थायी निवास वालों को भी स्कॉटलैंड में चुनाव के योग्य बनाता है। आप्रवासन पर अंकुश लगाने को अभियान चलाने वाले माइग्रेशन वॉच ने कहा, राजनेताओं को ब्रिटिश चुनावों में राष्ट्रमंडल नागरिकों के स्वतः मतदान के अधिकार व गैर-ब्रिटिश नागरिकों के चुनावों में खड़े होने की क्षमता खत्म करना चाहिए। स्कॉटिश ग्रीन्स की सह-नेता, गिलियन मैके ने कहा, पार्टी नए वीजा आवेदन की प्रक्रिया में मणिवन्नन का समर्थन करेगी। ग्रीन्स पार्टी ने कहा, इस प्रक्रिया को संसद के सत्र के दौरान पूरा करना होगा। मणिवन्नन के चुनावी पर्चे में उन्हें राजनीति में पीएचडी छात्र, कला कार्यकर्ता, स्कॉटिश ग्रीन पार्टी के फलस्तीन एकजुटता समूह के सह-संयोजक, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में वर्णित किया है।

युद्ध में यूएई भी कर रहा था ईरान पर हमला, तेल ठिकानों को बनाया निशाना: रिपोर्ट से सनसनी

अबू धाबी, एजेंसी। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद शुरू हुए हालिया युद्ध के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया। बीते फरवरी महीने में शुरू हुआ युद्ध अब तक खत्म नहीं हो पाया है। अमेरिका और इजरायल के बीच कुछ हफ्तों के लिए लागू हुआ सीजफायर टूटने की कगार पर है। ऐसे में खाड़ी में एक बार फिर जंग छिड़ सकती है। इस बीच एक रिपोर्ट में हुए खुलासे ने सनसनी मचा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने जंग के दौरान यूएई ने ईरान पर हमला किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की इस रिपोर्ट में और भी कई खुलासे किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमीरात ने ईरान पर गुप्त तरीके से यह हमला किया था। इसमें कहा गया है कि यूएई ने ईरान के 'लवन द्वीप' स्थित एक प्रमुख तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया था।

यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर की घोषणा करने वाले थे। बता दें कि यह रिफाइनरी ईरान की 10वीं सबसे बड़ी रिफाइनरी है और रोजाना करीब 60,000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन होता है। जानकारी के मुताबिक हमला 8 अप्रैल की सुबह हुआ था। ईरानी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने एक बयान में बताया था कि लवन द्वीप के तेल ठिकानों पर कायराना हमला हुआ है। हालांकि यह नहीं कहा गया था कि हमले किसने किए थे, लेकिन ईरान ने पलटवार की धमकी दी थी। इसके कुछ ही घंटों बाद ईरान ने यूएई और कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। यूएई ने तब दावा किया था कि उस पर 17 ईरानी मिसाइलों और 35 ड्रोनों से हमला किया गया है। यह इसीलिए अहम है क्योंकि यह अब तक इस युद्ध में यूएई की सीधी एंट्री की जानकारी दुनिया को नहीं थी। ईरान ने अपने ऊपर हुए हमलों के बाद से खाड़ी देशों को लगातार निशाना बनाया है। ईरान ने यूएई, कतर, सऊदी अरब, कुवैत जैसे देशों पर ड्रोन और मिसाइलें बरसाई हैं। हालांकि इन देशों ने पलटवार नहीं किया था।

ट्रंप कराएंगे सालाना मेडिकल चेकअप, सेना के जवानों और कर्मचारियों से भी करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 26 मई को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर जाएंगे। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस दौरे के दौरान ट्रंप अपना सालाना डेंटल और मेडिकल चेकअप करवाएंगे। इसके साथ ही वह अमेरिकी सेना के जवानों और वहां के कर्मचारियों से भी मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस के अनुसार, यह दौरा राष्ट्रपति की नियमित स्वास्थ्य देखभाल का हिस्सा है। ट्रंप की सामान्य मेडिकल और डेंटल जांच की जाएगी, ताकि उनकी सेहत पर नजर रखी जा सके। बयान में कहा गया कि ट्रंप वॉल्टर रीड में तैनात सैनिकों और स्टाफ के साथ समय बिताएंगे और देश के लिए उनकी सेवा, पेशेवर कामकाज और समर्पण की सराहना करेंगे। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि राष्ट्रपति वहां कितनी देर रहेंगे। यह भी साफ नहीं किया गया कि जांच के बाद राष्ट्रपति के डॉक्टर उनकी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे या नहीं। व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम से जुड़ी बाकी जानकारी बाद में साझा की जाएगी। मैरीलैंड के बेथेस्डा शहर में स्थित वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर अमेरिकी सेना का प्रमुख अस्पताल माना जाता है। यहां अक्सर अमेरिकी राष्ट्रपतियों और बड़े सरकारी अधिकारियों की मेडिकल जांच और इलाज होता है। यह अस्पताल युद्ध क्षेत्रों से लौटने वाले घायल सैनिकों के इलाज के लिए भी जाना जाता है। इसके अलावा यहां पूर्व सैनिकों, सक्रिय सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को भी चिकित्सा सेवाएं दी जाती हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति की मेडिकल जांच हमेशा चर्चा का विषय रहती है, क्योंकि इससे लोगों को देश के सर्वोच्च नेता की सेहत और फिटनेस के बारे में जानकारी मिलती है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि वॉल्टर रीड में उनकी मेडिकल जांच उनकी नियमित स्वास्थ्य प्रक्रिया का हिस्सा है। पिछले साल इसी अस्पताल में जांच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा था, 'मुझे लगता है कि मैं बहुत अच्छी शारीरिक स्थिति में हूं, लेकिन मैं आपको इस बारे में बाद बताऊंगा। शारीरिक रूप से, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मानसिक रूप से भी, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। पिछले साल जारी एक मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया था कि ट्रंप की एडवांस इमेजिंग, लैब टेस्ट और कई स्वास्थ्य जांच की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि उनके मेटाबॉलिक, हेमेटोलॉजिक और कार्डियक पैरामीटर्स (हृदय संबंधी मानक) स्थिर पाए गए। राष्ट्रपति के डॉक्टर कैप्टन सीन बारबाबेला की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया था कि ट्रंप की कुल स्वास्थ्य स्थिति काफी अच्छी है।

होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित और खुला बनाए रखने पर जोर, रुबियो ने की यूके और ऑस्ट्रेलिया से बातचीत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग बातचीत की। इन चर्चाओं में मुख्य रूप से ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित और खुला बनाए रखने पर जोर दिया गया। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी दी है। मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और ब्रिटेन की विदेश सचिव यवेट कूपर से बातचीत की। अमेरिका इस समय अपने करीबी सहयोगी देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री स्थिरता को लेकर लगातार चर्चा कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट के मुताबिक, रुबियो और पेनी वोंग ने 'स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र' को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि रुबियो ने अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया गठबंधन को क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। दोनों नेताओं ने ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को सामान्य और सुरक्षित बनाए रखने की कोशिशों पर भी चर्चा की।

इसके अलावा, रुबियो ने ब्रिटेन की विदेश सचिव इवेट कूपर से भी अलग से बात की। इस बातचीत में भी ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री मार्गों को खुला रखने का मुद्दा प्रमुख रहा। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग ने यह नहीं बताया कि इन बैठकों में कौन-कौन से सैन्य या कूटनीतिक कदमों पर चर्चा हुई।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे

अहम समुद्री रास्तों में गिना जाता है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया भर में भेजे जाने वाले तेल का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। अगर इस समुद्री रास्ते में किसी तरह की रुकावट आती है, तो उसका असर दुनिया के तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर तेजी से पड़ सकता है। भारत भी इस क्षेत्र पर करीबी नजर रखता है, क्योंकि यह अपनी जरूरत का काफी कच्चा तेल खाड़ी देशों से आयात करता है।

ऑस्ट्रेलिया इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका का बड़ा सहयोगी माना जाता है। वह क्वाड समूह का भी सदस्य है, जिसमें भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। वहीं, ब्रिटेन ने भी पिछले कुछ वर्षों में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी रणनीतिक मौजूदगी बढ़ाई है और वह अमेरिका का अहम सुरक्षा साझेदार बना हुआ है। इसी बीच, मार्को रुबियो ने इथियोपिया के विदेश मंत्री गेदियन तिमोथियोस से भी मुलाकात की। यह बैठक अमेरिका-इथियोपिया द्विपक्षीय वार्ता के दौरान हुई। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, रुबियो ने पूर्वी अफ्रीका में संघर्ष कम करने और विवादों के समाधान में इथियोपिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। दोनों देशों के बीच सुरक्षा साझेदारी और व्यापारिक अवसरों को बढ़ाने के मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

मैंने नहीं की ट्रंप की हत्या की कोशिश, आरोपी का साफ इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाइट हाउस संवाददाताओं के रात्रिभोज समारोह में हथियारों के साथ घुसने के आरोपी ने ट्रंप की हत्या के प्रयास के आरोप से इनकार किया है। साथ ही उसने यह भी मानने से मना किया है कि उसने खुफिया सेवा के एक अधिकारी पर गोली चलाई। कोल थॉमस एलन को सोमवार को एक संघीय अदालत में पेश किया गया। एलन ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान कुछ नहीं कहा। उसके एक वकील ने उसकी ओर से याचिका दायर की। इससे पहले एलन पर एक नए आरोप में अभियोग दर्ज किया गया। दावा किया जा रहा था कि हमलावर ने हमले के दौरान सीक्रेट सर्विस के एक अधिकारी पर शॉटगन से गोली चलाई थी और इसी दावे के आधार पर यह नया अभियोग लगाया गया है।

क्या हुआ था उस रात : बता दें कि हिल्टन होटल में 25 अप्रैल को हुए हमले में सीक्रेट सर्विस के बुलेटप्रूफ जैकेट पहने एक अधिकारी को गोली लगी। इस हमले के कारण संवाददाताओं के रात्रिभोज का कार्यक्रम बाधित हुआ और आखिरकार उसे समय से पूर्व समाप्त करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि एलन बंदूकों और चाकुओं से लैस था। वह एक सुरक्षा चौकी से भागा और उसने एक अधिकारी पर अपनी बंदूक तान दी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 31 वर्षीय एलन पर कई आरोप हैं। इनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास करना, कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला करना, राज्य सीमाओं के पार अपराध करने के इरादे से हथियार ले जाना और हिंसक अपराध के दौरान हथियार चलाना शामिल हैं। एलन पर आरोप साबित होते हैं तो उसे अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अधिकारियों ने जारी किया था वीडियो

बता दें कि बाद में संघीय अभियोजकों ने उस घटना का वीडियो जारी किया था। इसमें एक व्यक्ति बंदूक और चाकू के साथ 'व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन' के डिनर में घुसने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास करने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वीडियो में कथित रूप से एलन को मेटल डिटेक्टर (मैग्नेटोमीटर) से गुजरते हुए और एक अधिकारी की ओर हथियार तानते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद अधिकारी ने पांच गोलियां चलाईं। वीडियो में यह स्पष्ट नहीं है कि एलन ने कब गोली चलाई।

कौन है एलन : कैलिफोर्निया के टॉरेंस का निवासी एलन एक टेस्ट प्रेप कंपनी में अंशकालिक ट्यूटर के रूप में काम करता था। इसके अलावा वीडियो गेम तैयार करना उसका शौक है। अभियोजकों के अनुसार, एलन (31 वर्ष) ने हमले से कुछ मिनट पहले अपने होटल के कमरे में तस्वीर ली थी और उसके पास हथियार, गोला-बारूद बैग, शोल्डर गन होल्स्टर और चाकू मौजूद था। अधिकारियों के अनुसार, संदेशों में उसने खुद को 'फ्रेंडली फेडरल एसेसिन' बताया और ट्रंप प्रशासन की नीतियों को लेकर नाराजगी का संकेत दिया। एलन को घटना के दौरान चोट लगी लेकिन उसे गोली नहीं लगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)